04 - दिखाई दिया मोदी की युद्ध योजना का कमाल

05 - पाकिस्तान की दोहरी नीति उजागर

06 - बार-बार ड्राइंग-डिजाइन बदलने से हुई देरी, अब फिर टैंडर...

07 - युद्ध नहीं संकल्प है जिसे अंजाम तक पहुंचाना जरूरी

सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 13 मई, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 213, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

युद्ध विराम : पर्दे के पीछे बातचीत और अमेरिका की भूमिका

सौतिक बिस्वास व विकास पांडे

नाटकीय घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को सोशल मीडिया पर घोषणा की कि चार दिनों तक सीमा पर संघर्ष के बाद भारत और पाकिस्तान 'पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम' पर सहमत हो गए।

विशेषज्ञों का कहना है कि पर्दे के पीछे क्षेत्रीय शक्तियों के साथ मिलकर अमेरिकी मध्यस्थों ने डिप्लोमैटिक बैकचैनल्स के माध्यम से युद्ध के कगार पर खड़े परमाणु संपन्न प्रतिद्वंद्वियों को पीछे खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, संघर्ष विराम समझौते के कुछ ही घंटों बाद भारत और पाकिस्तान के बीच इसके उल्लंघन के आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। इससे एक बार फिर स्थिति काफ़ी नाजुक हो गई।

भारत ने पाकिस्तान पर 'बार-बार उल्लंघन' का आरोप लगाया, जबकि पाकिस्तान ने इस बात पर ज़ोर दिया कि वह संघर्ष विराम के प्रति प्रतिबद्ध है और उसकी सेनाएं 'ज़िम्मेदारी और संयम' दिखा रही हैं। ट्रंप की संघर्ष विराम घोषणा से पहले, भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध उस दिशा में बढ़ रहे थे, जिसके बारे में कई लोगों को आशंका थी कि यह एक पूर्ण संघर्ष बन सकता है।

पिछले महीने जम्मू-कश्मीर में एक घातक हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में हवाई हमले शुरू कर दिए। इसके बाद कई दिनों तक हवाई झड़पें, तोपों से गोलाबारी हुई और शनिवार की सुबह तक दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के हवाई ठिकानों पर मिसाइल हमलों के आरोप लगाए गए। बयानबाज़ी बहुत तेज़ी से बढ़ गई और दोनों देशों ने एक दूसरे के हमलों को विफल करते हुए भारी क्षति पहुंचाने का दावा किया।

वॉशिंगटन डीसी स्थित ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन की वरिष्ठ फ़ैलो तन्वी मदान का कहना है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का 9 मई को पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर को किया गया फोन कॉल 'संभवतः निर्णायक बिंदु रहा होगा। पिछले तीन दिनों में यह स्पष्ट हो गया है कि कम से कम तीन देश तनाव कम करने के लिए काम कर रहे थे- अमेरिका, ब्रिटेन और सऊदी अरब।' पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक़ डार ने पाकिस्तानी मीडिया को बताया कि इस कूटनीति में 'तीन दर्जन देश' शामिल हैं - इनमें तुर्की, सऊदी अरब और अमेरिका भी शामिल हैं। लेकिन अगर ये (अमेरिकी विदेश मंत्री की) कॉल शुरुआत में ही की गई होती तो संघर्ष इतना नहीं बढ़ता।'

यह पहली बार नहीं है जब अमेरिकी मध्यस्थता ने भारत-पाकिस्तान संकट को कम करने में मदद की है। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने अपनी किताब में दावा किया था कि उन्हें 'भारतीय समकक्ष' ने एक बार बात करने के लिए जगाया था, जिन्हें डर था कि पाकिस्तान 2019 के गतिरोध के लिए परमाणु हथियार तैयार कर रहा है। पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त अजय बिसारिया ने बाद में लिखा कि माइक पॉम्पियो ने परमाणु युद्ध के ख़तरे और संघर्ष को शांत कराने में संयुक्त राज्य अमेरिका की भूमिका दोनों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया। हालांकि, राजनयिकों का कहना है कि इस संकट को टालने में अमेरिका ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इसमें कोई संदेह नहीं है।

अजय बिसारिया ने बताया, 'अमेरिका सबसे मुख्य बाहरी प्लेयर था। पिछली बार, पोम्पिओ ने दावा किया था कि उन्होंने परमाणु युद्ध को टलवा दिया था। शायद वे इसे बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे होंगे, और शायद इस्लामाबाद में दिल्ली की स्थिति को मज़बूती से रखने में उन्होंने प्राथमिक कूटनीतिक भूमिका निभाई होगी।'

हालांकि शुरुआत में अमेरिका का रुख़ अलग-थलग सा दिखाई दिया था। जैसे ही तनाव बढ़ा अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने बृहस्पतिवार को कहा, 'अमेरिका उस युद्ध में शामिल नहीं होने जा रहा है, ये हमारा काम नहीं है। उन्होंने टेलीविज़न पर एक साक्षात्कार में कहा था, 'हालाँकि हम इन देशों को नियंत्रित नहीं कर सकते। मूल रूप से, भारत को पाकिस्तान से शिकायतें हैं... अमेरिका भारत को हथियार डालने के लिए नहीं कह सकता। हम पाकिस्तानियों को हथियार डालने के लिए नहीं कह सकते। इसलिए हम कूटनीतिक माध्यमों का सहारा लेंगे।'

इसी बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था, 'मैं दोनों (भारत और पाकिस्तान के नेताओं) को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं, और मैं उन्हें इसे सुलझाते हुए देखना चाहता हूं... उम्मीद है कि वे अब रुक जाएंगे।'

'लाहौर में रक्षा विश्लेषक एजाज़ हैदर ने बताया कि हालिया मामला पिछली घटनाओं से अलग जान पड़ता है। हैदर के अनुसार अमेरिका की भूमिका पिछले पैटर्न की तरह ही है, लेकिन इस बार एक महत्वपूर्ण अंतर है, उन्होंने शुरुआत में दूरी बनाए रखी। तुरंत हस्तक्षेप करने से पहले उन्होंने संकट को बढ़ते देखा, और जब उन्होंने ये देख लिया कि स्थिति किस ओर जा रही है, तब उन्होंने इसे रोकने के लिए कदम उठाया।'

पाकिस्तान में विशेषज्ञों का कहना है कि जब तनाव बढ़ा तो पाकिस्तान ने 'दोहरे संकेत' दिए - एक तरफ़ सैन्य जवाबी कार्रवाई और दूसरी तरफ़ नेशनल कमांड अथॉरिटी (एनसीए) की बैठक बुलाना जो कि परमाणु क्षमता की याद दिलाने का संकेत देना था। पाकिस्तान कमांड ऑथोरिटी, देश के परमाणु हथियारों पर नियंत्रण रखती है और उसके इस्तेमाल संबंधी फ़ैसले लेती है। यह वही समय था जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हस्तक्षेप किया। कार्नेगी एनडाउमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के एक वरिष्ठ फ़ैलो एशले जे टेलिस ने बताया, 'अमेरिका का इससे बाहर रहना मुमकिन ही नहीं था। इस बात में जिस एक चीज़ ने और मदद की वो है अमेरिका का भारत के साथ गहरा होता संबंध।'

पीएम नरेंद्र मोदी के ट्रंप के साथ व्यक्तिगत संबंध, इसके साथ ही अमेरिका के व्यापक रणनीतिक और आर्थिक हितों ने अमेरिकी प्रशासन को दोनों परमाणु संपन्न प्रतिद्वंद्वियों को तनाव कम करने की दिशा में कूटनीतिक बढ़त दी। भारतीय राजनयिक इस बार तीन प्रमुख शांति प्रयासों को देखते हैं, जैसा कि 2019 में पुलवामा-बालाकोट के बाद हुआ था। वैश्विक प्राथमिकताओं में बदलाव और शुरुआत में हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने के बाद अमेरिका ने आख़िरकार दक्षिण एशिया के परमाणु-संपन्न प्रतिद्वंद्वियों के बीच एक अहम मध्यस्थता की। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट के क्राइसिस मैनेजर के रूप में अमेरिका की भूमिका बेहद अहम बनी हुई है। हालांकि अब भी शनिवार के घटनाक्रम के बाद सीज़फ़ायर के टिके रहने को लेकर संदेह की स्थिति बनी हुई है। विदेश नीति विश्लेषक माइकल कुगेलमैन ने बताया, 'यह संघर्ष विराम नाज़ुक बना रहेगा। यह बेहद तनावपूर्ण स्थिति में बहुत तेज़ी से हुआ है। इसे इतनी जल्दबाज़ी में तैयार किया गया है कि समझौते में आवश्यक गारंटी और आश्वासन शायद शामिल नहीं हैं, जो इस तरह के तनावपूर्ण माहौल में आवश्यक होते हैं।'

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सिंदूर मिटाने की कीमत हमने वसूल की : पीएम मोदी

● पाकिस्तान के खिलाफ सेना की कार्रवाई सिर्फ स्थगित की है ● न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं सहेंगे, हमारी तीनों सेनाएं अलर्ट

● पूरी दुनिया ने पराक्रम देखा, पाकिस्तान से अब सिर्फ बात होगी तो आतंकी और पीओके पर होगी, जो फैसले लिए वह अभी भी है

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पीएम नरेंद्र मोदी देश को संबोधित कर रहे हैं। भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद पहली बार पीएम मोदी देश की जनता के सामने हैं। पीएम मोदी ने संबोधन में कहा कि बीते दिनों में देश का सामर्थ्य और उसका संयम देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं को, सशस्त्र बलों को, हमारी खुफिया एजेंसियों को, वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की तरफ से सैल्यूट करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन करता हूं। उनकी वीरता, साहस और पराक्रम को आज ये पराक्रम समर्पित करता हूं। सीजफायर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार पर भारत ने संघर्ष रोकने की सहमति दी

है। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मिलिट्री एक्शन को केवल स्थगित किया है। पाकिस्तान का रवैया देखकर आगे का एक्शन तय करेंगे। हमने जो फैसले लिए वह अभी भी जारी है।

पाकिस्तान के साथ सीजफायर के 51 घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- बीते दिनों में देश का सामर्थ्य और उसका संयम दोनों देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं को सशस्त्र बलों, खुफिया एजेंसियों और वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की तरफ से सैल्यूट करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया। मैं उनकी वीरता,साहस और पराक्रम को आज समर्पित करता हूं हमारे देश की हर माता-बहन और बेटी को।

● **आतंक के आकाओं को भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया**-आतंक के बहुत सारे आका बीते ढाई तीन दशकों से खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे थे। जो भारत के खिलाफ साजिशें करते थे। उन्हें भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया। साथियों भारत की इस कार्रवाई से पाकिस्तान घोर निराशा में घिर गया था। हताशा में घिर गया था। बौखला गया था।

● **100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा**-जब पाकिस्तान में आतंक के अड्डों पर भारत की मिसाइलों ने हमला बोला, भारत के ड्रोंस ने हमला बोला तो आतंकी संगठनों की इमारतें ही नहीं, हौसला भी थर्रा गया।

स्क्वाड्रन लीडर समेत पाकिस्तान के पांच जवानों की हो गई मौत

● रहीम यार खान एयरबेस तबाह,पाकिस्तान ने स्वीकारी सच्चाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत के 10 मई को किए गए हमले में पाकिस्तान के पंजाब स्थित रहीम यार खान एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा है। भारत के मिसाइल हमले

में सिंध में पाकिस्तान एयर फोर्स के पांच जवान भी मारे गए हैं। मरने वालों में एक स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ शामिल है। भारत ने यह कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से सीमा पर ड्रोन से हमले के जवाब में की थी। भारत के मिसाइल हमलों से पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम नुकसान पहुंचा। खासतौर से रहीम यार खान और भोलारी एयरबेस को नुकसान हुआ। पाकिस्तान ने शुरू में इस नुकसान को स्वीकार करने में हिचक दिखाई है लेकिन अब उसने इस हमले की सच्चाई को मान लिया है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि रहीम यार खान के अलावा नूर खान एयरबेस (रावलपिंडी), रफीकी एयरबेस (पंजाब), मुरीद एयरबेस (चकवाल) और चुनियान एयरबेस (पंजाब) पर हमले हुए।

मुख्यमंत्री ने की उज्जैन में सिंहस्थ के कार्यों की समीक्षा

साधु, संत और श्रद्धालुओं की आस्था को सर्वोपरि रखकर करें, सिंहस्थ 2028 के सभी कार्य: सीएम यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 2028 की तैयारी में साधु-संत और श्रद्धालुओं की भावनाओं को सर्वोपरि रखकर कार्य योजना को पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंहस्थ - 2028 के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन कलेक्टर कार्यालय सभागृह में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्य योजना की जानकारी लेकर कहा कि सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता और मापदंडों के अनुसार हो। सभी कार्यों में निर्माण एजेंसियां समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे श्रद्धालुओं को सिंहस्थ-2028 का अनुभव आस्थामय, भव्य और अलौकिक हो। सिंहस्थ निर्माण कार्यों में शहर के आसपास सड़कों का जाल बिछाकर यातायात सुगम किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए संपूर्ण मेला क्षेत्र की कनेक्टविटी 4 लेन और 6 लेन मार्गों से की जा रही है। सिंहस्थ-2028 के लिए किए जा रहे आवश्यक मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में सभी गणमान्य नागरिकों का भी विशेष ध्यान रखते हुए कार्य करें। आवश्यक मार्गों पर एलिवेटेड ब्रिज बनाए जाएंगे जिससे नीचे व्यापार प्रभावित ना हो और ट्रैफिक भी सुचारू रूप से चल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सभी सिंहस्थ कार्यों की मॉनिटरिंग आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल कर करें, जिससे कार्य की भौतिक प्रगति के साथ कार्य की गुणवत्ता का आंकलन भी हो सके। सिंहस्थ-2028 अंतर्गत रेलवे से समन्वय बनाकर शासन के सभी आवश्यक विभाग इंटीग्रेटेड कार्य योजना बनाए, जिससे श्रद्धालुओं का आवागमन सुव्यवस्थित रूप से हो सके।

श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने मेडिकल टूरिज्म हब बनाया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए मेले में आर्मी भी मौजूद रहेगी। सभी मुख्य देव-स्थानों को जल्द ही देवलोक के रूप में विकसित करने की कार्य योजना बनाए। उज्जैन में न्यायपालिका द्वारा भी न्यायिक संस्था शुरू की जाएगी। उन्होंने इसके लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। मेडिसिटी मेडिकल कॉलेज निर्माण की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रध्दालुओं को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए जिले को मेडिकल टूरिज्म का हब बनाने के लिए योगा, वेलनेस, नेचुरोपैथी, एलोपैथी और आयुर्वेद के केंद्रों के साथ मेडिकल डिवाइस उद्योग, फार्मा कंपनियों और मेडिकल रिसर्च संस्थाओं को साथ लेकर एकीकृत कार्ययोजना तैयार करें। नगर निगम और अन्य संस्थाएं भी अपने मद से किए जाने वाले शहर के कार्य निरंतर करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मालवा क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विद्याकास किया जाएगा।

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

नींद भी खुली न थी कि
हाय धूप ढल गयी
पाँव जब तलक उठें कि
ज़िन्दगी फिसल गयी
पात-पात झर गए कि
शाख-शाख जल गयी
चाह तो सकी निकल न पर
उमर निकल गयी
गीत अश्क़ बन गए
छंद हो हवन गए
साथ के सभी दिए,
धुआँ पहन-पहन चले
और हम झुके-झुके
मोड़ पर रुके-रुके
उम्र के चढ़ाव का उतार देखते रहे
कारवाँ गुज़र गया गुबार देखते रहे!

- गोपालदास 'नीरज'

कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

● बीसीसीआई ने लिखा-थैंक्यू विराट, एक युग का अंत ● विरासत जारी रहेगी, डिविलियर्स बोले- सच्चा लीजेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कोहली ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर लिखा- टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे। कोहली ने 10 मई को बीसीसीआई से कहा था कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहता हूं। बोर्ड ने कोहली को अपने फैसले पर फिर विचार करने को कहा था। 11 मई को बोर्ड के एक अधिकारी ने उनसे बात भी की थी। दिसंबर/जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर- गावस्कर सीरीज में विराट का प्रदर्शन बेहतर नहीं था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट

हुए। कोहली ने 9 पारियों में 190 रन बनाए। इनमें एक शतक शामिल था। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक बनाए। विराट ने 7 दोहरे शतक लगाए। 2017 और 2018 में वे टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए। विराट ने लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह फॉरमेट मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दी और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 13 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पद्मश्री डॉ. सुब्बन्ना अय्यप्पन की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

श्रीरंगपटना के पास कावेरी नदी में तैरता मिला उनका शव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस ने पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. सुब्बन्ना अय्यप्पन की संदिग्ध परिस्थिति में मौत की जांच शुरू कर दी है। वह शनिवार को श्रीरंगपटना के निकट कावेरी नदी में मृत पाए गए थे। 70 वर्षीय अयप्पन कृषि और मत्स्य पालन वैज्ञानिक थे और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का नेतृत्व करने वाले पहले गैर-फसल वैज्ञानिक थे। रविवार को कर्नाटक पुलिस ने बताया कि पुलिस को नदी में तैरते हुए एक शव के बारे में लोगों से सूचना मिलने के बाद उनका शव बरामद किया गया। उनका दोपहिया वाहन नदी किनारे पाया गया और संदेह है कि अयप्पन ने नदी में छलांग लगाई होगी।

छग में भीषण सड़क हादसा, 13 की मौत

14 लोग घायल, रायपुर में ट्रक-ट्रेलर की हुई टक्कर

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में रविवार देर रात मिनी ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। ट्रक में सवार ये सभी लोग छठी के कार्यक्रम से लौट रहे थे। ट्रक खरोरा के बाना गांव से आ रहा था। बंगोली में इसे रायपुर से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। मृतकों में 10 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। इनमें एक ही परिवार की 3 महिलाओं का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया, जबकि एक बच्चे को दफनाया गया है। इनमें गीता साहू, प्रभा साहू और नंदनी साहू का अंतिम संस्कार किया गया। एकलव्य साहू (6) को दफनाया गया है।

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग किले पर लगाई गई शिवाजी की प्रतिमा

मुंबई (एजेंसी)। सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की नई प्रतिमा को जनता के लिए खोला गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ स्थल पर पूजा की। फडणवीस ने यहां शिव आरती की। इस कार्यक्रम में स्थानीय सांसद नारायण राणे, मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे, पीडब्ल्यूडी मंत्री शिवेंद्र भोसले और बीजेपी राज्य कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जो मूर्ति गिर गई थी, उसके स्थान पर अब एक अधिक मजबूत मूर्ति लगाई गई है।

3000 अंक की सलामी...

सीजफायर से जोश में आया बाजार

लगा दी रिकॉर्ड तोड़ छलांग, भारी उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को जोरदार तेजी आई। इसने कई महीनों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। भारत-पाकिस्तान के बीच जमीन, हवा और समंदर पर सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए सहमति बनने की घोषणा के बाद ऐसा हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांक बड़ी बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स ने एक समय 3000 अंक से ज्यादा की छलांग लगाई। यह संवेदी सूचकांक 2975.43 अंक यानी 3.74 फीसदी उछलकर 82,429.90 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 82,495.97 अंक के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। इसने 80,651.07 अंक का निचला स्तर छुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 916.70 यानी 3.82 फीसदी चढ़कर 24,924.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस के शेयर में 7.91 फीसदी और एचसीएल टेक में 6.35 फीसदी की तेजी आई। टाटा स्टील, इटर्नल, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एक्सिस बैंक,

आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी और रिलायंस के शेयर प्रमुख रूप से फायदे में रहे। सिर्फ सन फार्मा और इंडसइंड बैंक के शेयर नुकसान को हुआ। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर शनिवार को सहमति बन गई थी। जमीन, हवा और समुद्र पर सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए दोनों देश सहमत हुए थे। इस घोषणा ने बाजार की कारोबारी धारणा को मजबूत किया। इसके पहले भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। सीमा पर गोलीबारी और हमलों की खबरें आ रही थीं, जिससे निवेशकों में अनिश्चितता का माहौल था। दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति बनने से बाजार में शांति और स्थिरता की उम्मीद जगी। निवेशकों का जोखिम लेने का मूड बना। इसे बाजार ने सकारात्मक रूप से लिया। इसके अलावा पिछले कुछ समय से अमेरिका और चीन के बीच व्यापार को लेकर काफी तनातनी चल रही थी, जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा था। ऐसी खबरें आईं कि दोनों देश व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने और कुछ व्यापार प्रतिबंधों को कम करने पर विचार कर रहे हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव कम होने के संकेत से वैश्विक बाजारों के साथ भारतीय बाजार में बूम रही।

करांची पर हमला करने के लिए तैयार थी अपनी इंडियन नेवी

- ऑपरेशन सिंदूर पर वाइस एडमिरल एएन प्रमोद का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों से चल रहे तनाव में अब कुछ कमी आ गई है। दोनों देशों के बीच टेंशन तब बढ़ गई थी, जब भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के खिलाफ हमले किए थे। इस दौरान, दोनों देश कई बार आमने-सामने आ गए। रविवार को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताते हुए भारतीय नौसेना ने खुलासा किया कि इस दौरान इंडियन नेवी भी पूरी तरह से तैयार थी और कराची सहित समुद्र और जमीन

पर चुनिंदा लक्ष्यों पर हमला करने में पूरी तरह सक्षम थी। ऑपरेशन सिंदूर पर तीनों सेनाओं की संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग के दौरान वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने कहा,हमारी नौसेना पूरी तरह से समुद्र और जमीन पर चुनिंदा लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता के साथ निर्णायक स्थिति में अरब सागर में तैनात रही।

हमने दिखा दिया हम किसी भी तरह की लड़ाई को हैं तैयार

- आर्मी ने पीसी में सब कुछ बताया, कहा-सेना नए मिशन के लिए तैयार

अगली लड़ाई अलग तरह से लड़ी जाएगी, हमें दुश्मनों से आगे रहना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने आज के प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। सेना ने सोमवार को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगातार दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सेना के लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, नेवी से वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयरफोर्स से एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन की जानकारी दी। एयर मार्शल भारती ने कहा कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों से है, पाकिस्तानी सेना से नहीं। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि

हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। उन्होंने साफ किया कि हमारी लड़ाई पाकिस्तानी सेना के साथ नहीं है। लेकिन, अगर पाकिस्तान की सेना आतंकियों का साथ देगी, तो हम उसका जवाब देंगे। जनरल घई ने बताया कि 7 मई की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने हमले की कोशिश की।

हमें एक जॉब दी गई, हमने उसे पूरा किया

एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। पाकिस्तान अपनी कहानियां बना रहा है। हमें जो काम दिया गया था, हमने उसे पूरा किया। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। पाकिस्तान कोशिश कर रहा है कि वो अपनी कहानियां बनाए। हमें एक जॉब दी गई, हमने उसे पूरा किया। एयर मार्शल भारती पर सारी बातें क्लियर की।

भारतीय सेना नए मिशन के लिए तैयार

एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि हमारे सभी मिलिट्री बेस और सिस्टम ऑपरेशनल हैं और नए मिशन के लिए तैयार हैं। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया कि नौसेना सर्विलांस और डिटेक्शन में लगी हुई थी। हमने खतरों को पहचाना और उन्हें तुरंत खत्म किया। उन्होंने ड्रोन, हाईस्पीड मिसाइल और एयरक्राफ्ट की जानकारी दी। हमारे पायलट रात और दिन में ऑपरेट करने के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा, साफ शब्दों में कहना चाहता हूं कि सभी मिलिट्री बेस, सिस्टम ऑपरेशनल हैं और नए मिशन के लिए तैयार हैं। वहीं वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया, नौसेना सर्विलांस, डिटेक्शन में लगी हुई थी। हमने मल्टीपल सेंसर्स और इनपुट्स दिए। हमने उन खतरों को पहचाना, जिन्हें तुरंत न्यूट्रिलाइज्ड किया जाना था। ड्रोन, हाईस्पीड मिसाइल और एयरक्राफ्ट की जानकारी दी गई, ये एडवांस राडार के जरिए दी गई। हमारे पायलट रात और दिन में ऑपरेट करने के लिए तैयार थे।

पाकिस्तान हमले में चली गई जुड़वा भाई-बहन की जान

घाटी में सदमे में परिवार, कह रहा-एक तो बच गया होता

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद जब भारत ने आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूत किया तो बौखलाया पाकिस्तान सीमा पार से गोलीबारी करने लगी। पाकिस्तान ने आम लगों को निशाना बनाना शुरू किया। पाकिस्तानी हमले में पुंछ शहर में रहने वाले दो जुड़वा भाई-बहन भी मारे गए। आज उनका पूरा परिवार सदमे में है। जुड़वा भाई बहन जैन अली और

उर्वा फातिमा की एक पाकिस्तानी बम ने जान ले ली। ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद जब पाकिस्तान ने फायरिंग शुरू की तो सीमा से सटे इलाके के लोगों की नींद उड़ गई। सुबह के 6 बजे ही जैन और उर्वा के मामा उन्हें घर से निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाने के लिए पहुंचे। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक बच्चों की मौसी ने बताया कि उर्वा का हाथ मां ने पकड़ रखा था और जैन का हाथ पिता ने थाम रखा था। तभी अचनाक बम फटा और जैन और उर्वा दोनों बुरी तरह घायल हो गए। उर्वा की मां ने देखा कि जैन दूर पड़ा हुआ है। वहां एक शख्स किसी तरह उसकी सांस चलाने की कोशिश कर रहा है। जैन और उर्वा के पिता भी बुरी तरह घायल हो गए थे।

मारे गए आतंकियों का पाकिस्तान में सम्मान

लश्कर कमांडर के जनाजे में सैन्य अफसर और नेता हुए शामिल

बीजेपी का दावा-पंजाब की सीएम मरियम शरीफ भी शामिल हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए पाकिस्तानी आतंकियों के जनाजे में वहां की सेना के सीनियर अफसर और नेता भी शामिल हुए थे। रविवार को भारतीय सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी गई। शामिल होने वालों के नाम बताए और तस्वीर भी दिखाई।

नेता ओर अफसर, लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अब्दुल रऊफ के साथ जनाजे की नमाज पढ़ते दिख रहे हैं। इनमें लेफ्टिनेंट जनरल फैयाज हुसैन, मेजर जनरल राव इमरान सरताज,

मेजर जनरल मोहम्मद फुरकान शब्बीर, पंजाब पुलिस के डॉक्टर उस्मान अनवर और सांसद मलिक अहमद शामिल हैं। भारतीय सैन्य अफसरों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के 11 आतंकी और सैन्य ठिकानों को बर्बाद किया गया है। सेना ने इन ठिकानों की सैटेलाइट इमेज जारी की। जिसमें अटैक से पहले और बाद की स्थिति दिखाई गई है।

एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका

ड्रग्स और सांप के जहर के इस्तेमाल का चलेगा केस

प्रयागराज (एजेंसी)। यूट्यूबर एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने रेव पार्टी में ड्रग्स-सांप के जहर के इस्तेमाल के मामले में चार्जशीट रद्द करने की याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने कहा- यादव के खिलाफ चार्जशीट और एफआईआर में बयान है। ऐसे आरोपों की जांच मुकदमे के दौरान की जाएगी। एल्विश ने याचिका में एफआईआर को चुनौती नहीं दी है। आरोप है कि एल्विश रेव पार्टियों का आयोजन करते थे, जहां विदेशी नागरिक भी बुलाए जाते थे। लोगों को सांप का जहर और अन्य मादक पदार्थों का सेवन कराया जाता था।

यमुना सफाई

8372 करोड़ खर्च, फिर भी सबसे प्रदूषित नदी

- 37 में से 33 एसटीपी का ट्रीटेड पानी फिर नालों में मिल रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना नदी का महज 2 फीसदी हिस्सा दिल्ली में पड़ता है और यमुना के प्रदूषण का 80 फीसदी हिस्सा दिल्ली से मिलता है। यमुना को साफ करने के लिए अब तक 8372 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं और इतने खर्चे से दिल्ली में 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए गए और नतीजा है कि देश की राजधानी से गुजरने वाली यमुना नदी देश की सबसे प्रदूषित नदी है। विडंबना ये है कि दिल्ली सरकार का दावा है कि उसके पास पानी को साफ करने का इतना बड़ा बुनियादी ढांचा है कि वह दिल्ली में पैदा होने वाले गंदे पानी का 80 फीसदी साफ कर सकता है और अगले दो महीने में यह क्षमता शत-प्रतिशत गंदे पानी को साफ करने की होगी। सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट (सीएसई) ने अपनी नई रिपोर्ट में पाया है कि यदि दिल्ली के एसटीपी के ट्रीटेड पानी को यदि यमुना में सीधे पहुंचाया जाता तो यमुना फिर से जीवंत हो जाती। लेकिन स्थिति यह है कि 37 में से 33 एसटीपी यमुना तटों से काफी दूर बने हैं। उनका ट्रीटेड

पानी जिन 22 नालों के जरिए यमुना में पहुंचता है, उनमें पहले से गंदा पानी बह रहा होता है, इसलिए पानी को ट्रीट करने का कोई फायदा ही नहीं होता।

27 साल पहले मरी बच्ची मुझसे रोज पूछती-मुक्ति कब दोगी

- बांग्लादेशी महिला ने काशी में बेटी का किया पिंडदान, हिंदू भी बनीं

वाराणसी (एजेंसी)। 27 साल पहले गर्भ में मेरी बेटी की मौत हो गई। तब से वह मेरे सपने में आती और मुझसे बात करती थी। कहती- मुझे मुक्ति चाहिए। मुक्ति या मोक्ष कैसे मिलेगा, इसके बारे में जानकारी ली। कई वेबसाइट्स खंगाले। तब मुझे काशी में पिंडदान और मोक्ष के बारे में पता चला। मैंने आगमन संस्था से बात की और सीधे काशी आ गई। ये कहना है लंदन से काशी आईं 49 साल की बांग्लादेशी मुस्लिम महिला अंबिया बानो की। उन्होंने सोमवार को सनातन धर्म अपना लिया और अंबिया माला बन गईं। इसके बाद अपनी बेटी के मोक्ष कामना से उन्होंने दशाश्वमेध घाट पर पिंडदान किया। पिंडदान का कर्मकांड पांच वैदिक ब्राह्मणों ने कराया। अंबिया माला ने बताया- जो गलती मेरे पूर्वजों ने की है, मैंने उन्हें सुधारते हुए सनातन धर्म अपना लिया है। काशी पहुंचने पर आगमन संस्था के संस्थापक सचिव डॉ. संतोष ओझा ने अंबिया को गंगा स्नान कराया और सनातन धर्म स्वीकार कराया।

19 दिन बाद भारत-पाक सीमा पर लौटी शांति

अब भी घर लौटने से डर रहे लोग, पाकिस्तान पर नहीं है भरोसा

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार दोनों देशों की सीमा और सीमा से सटे इलाकों में शांति दिखाई दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को ही सीजफायर डील हो गई थी। हालांकि कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान ने फिर सीजफायर का उल्लंघन किया। भारत ने जब उसे कड़े शब्दों में चेतावनी दी तो पाकिस्तान जाकर शांत हुआ। पहलगाम हमले के बाद जैसे ही भारत ने सिंधु जल संधि निलंबित करने का ऐलान किया था, पाकिस्तीन की तरफ से सीजफायर उल्लंघन शुरू हो गया है था। ऐसे में 19 दिन बाद सीमा पर पूर रात शांति रही है। इसके बावजूद लोग अपने घरों को लौटने से कतरा रहे हैं। कश्मीर के उरी मेसीमा से सटे गांवों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों भेज दिया गया था। रविवार को जब वे अपने घरों को लौटने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बताया गया कि उनके गांवों के पास अभी धमाके का खतरा है। कई गोला-बारूद अब भी सक्रिय हैं।

इंदौर के यात्री पहुंचे केदारनाथ यात्रा पर

बोले-यहां डर जैसी कोई बात नहीं, सामान्य हैं हालात

इंदौर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर चल रहे तनाव के बीच केदारनाथ की (चार धाम) यात्रा शुरू हो गई है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए इंदौर से भी यात्री पहुंचने लगे हैं। इंदौर से केदारनाथ यात्रा पर पहुंचे यात्रियों ने सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो शेयर कर लिखा है कि बाबा के दरबार में डर जैसी कोई बात नहीं है। केदारनाथ धाम में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं लगभग 10 हजार से ज्यादा यात्री प्रतिदिन आराम से यहां रह सकते हैं। बता दें कि भारत-पाक तनाव के बीच केदारनाथ हेली सेवा रोकी गई थी जिसके बाद केदारनाथ यात्रा को लेकर यात्रियों के मन में संशय था, लेकिन यह यात्रा अब सुचारू रूप से जारी है। इंदौर से केदारनाथ धाम पर दर्शन करने पहुंचे राजीव उपाध्याय ने बताया कि यहां पर डर जैसी कोई बात नहीं है। यहां सामान्य हालात है। वहीं आसानी से सभी सुविधा मिल रही हैं। केदारनाथ धाम में रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक विशेष पूजा अभिषेक होता है। रात्रि 12 बजे बाबा केदारनाथ के दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है। बाजार में पूजा सामग्री की दुकानें भी देर रात तक खुली रहती हैं। यहां गुजरात, मुंबई, सूरत समेत अन्य शहरों से भक्त आए हुए हैं। उपाध्याय ने बताया कि यहां पर आने वाले यात्री केदारनाथ यात्रा की फैली अफवाहों पर ध्यान ना दें। यहां पर पैदल मार्ग पर घोड़े-खच्चर बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं। बता दें कि केदारनाथ यात्रा में लगे घोड़े, खच्चरों में इन्फ्लूएंजा बीमारी होने के बाद प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिसके बाद गत शुक्रवार से घोड़े खच्चरों की आवाजाही ट्रायल के रूप में शुरू की गई थी।

प्रतिदिन 1000 से 1200 श्रद्धालु डंडी-कंडी से धाम पहुंच रहे

केदरनाथ के तीर्थ-पुरोहितों का कहना है कि केदारनाथ धाम यात्रा सुचारू रूप से चल रही है एवं सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं, लेकिन कुछ लोग सस्ती लोकप्रियता के लिए सोशल मीडिया पर अफवाह फैला कर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। धाम के तीर्थ पुरोहितों ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज किया है। उन्होंने धाम एवं यात्रा के बारे में फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न देते हुए बाबा केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का स्वागत किया है। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन 1000 से 1200 श्रद्धालु डंडी-कंडी से धाम पहुंच रहे हैं, जबकि लगभग 1000 डंडी-कंडी एवं पिट्ठू संचालक खाद्य एवं अन्य सामग्री की आपूर्ति में जुटे हुए हैं।

एमपीसीए में फिर पहुंचा धमकी भरा मेल

होल्कर स्टेडियम में बम प्लांट करने की बात कही, बम स्क्वाड और पुलिस पहुंची

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के होल्कर स्टेडियम को फिर से धमकी भरा मेल मिला है। जिसमें कहा गया है कि स्टेडियम में बम प्लांट कर दिया है। जल्द ही एक धमाका होगा। इस मामले में एमपीसीए के प्रशासनिक अफसर ने पुलिस को जानकारी दी है। पुलिस की टीम के साथ बम स्क्वॉड की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की पर कुछ हाथ नहीं लगा। तुकोगंज टीआई जितेन्द्र यादव ने बताया कि उनके पास एमपीसीए की तरफ से सोमवार सुबह कॉल आया। जिसमें बताया गया कि उनके आफिशियल मेल पर फिर से धमकी आई है। धमकी देने वाले ने बम प्लांट करने की बात कही है। इसके बाद वरिष्ठ अफसरों को जानकारी देकर बम स्क्वॉड की टीम को मौके पर बुलाया गया। जहां चेकिंग में कुछ नहीं मिला है।

4 दिन में दूसरी बार धमकी- इसके पहले एमपीसीए को 9 मई को धमकी मिली थी। जिसमें कहा गया था कि आपके स्टेडियम में बम विस्फोट होगा। वही पाकिस्तान से पंगा नहीं लेने की बात कही गई थी। अपनी सरकार को समझाओ,पाकिस्तान के स्लीपर सेल देशभर में हैं। बाद में एमपीसीए के रोहित पंडित ने तुकोगंज थाने में जानकारी दी थी। इसके बाद घबराए हुए टीआई जितेन्द्र यादव यहां अपनी टीम के साथ पहुंचे थे, लेकिन तब भी कुछ नहीं मिला था।

बॉम्बे अस्पताल को भी धमकी- इसके बाद शनिवार को बॉम्बे अस्पताल को भी इसी तरह का धमकी भरा मेल पहुंचा था। जिसमें प्रशासनिक अफसर पाराशर ने भी लसूडिया पुलिस को शिकायत की थी। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने बताया था कि उन्होंने टीम के साथ वहां चेकिंग कराई, लेकिन वहां कुछ नहीं मिला।

इंदौर में 64वां ग्रीन कॉरिडोर बनना कैंसिल

टेक्निकल कारणों से भोपाल में ब्रेन डेड व्यक्ति का लिवर इंदौर में एडमिट मरीज को नहीं हो सकेगा ट्रांसप्लांट

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में सोमवार को 64वां ग्रीन कॉरिडोर बनना संभावित था। इसके लिए इंदौर-भोपाल में तैयारियां की जा रही थीं। इसमें भोपाल में एक ब्रेन डेड व्यक्ति का लिवर इंदौर में एडमिट मरीज को ट्रांसप्लांट किया जाना था। इस बीच टेक्निकल कारणों के चलते ग्रीन कॉरिडोर और लिवर ट्रांसप्लांट नहीं हो सकेगा। दरअसल ब्रेन डेड के बाद आज दोपहर बाद सिद्धांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल भोपाल से इंदौर के जुपिटर विशेष हॉस्पिटल के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाने की तैयारियां थी । लिवर यहां एडमिट मरीज के लिए एलोकेट हुआ था। भोपाल में कल बुजुर्ग की ब्रेन डेड के बाद शाम से ही सोटो (स्टेट ऑर्गन्स एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन मध्य प्रदेश) से प्राप्त अलर्ट के बाद इसकी तैयारियां की जा रही थीं। भोपाल से लिवर लाने के लिए इंदौर से डॉक्टरों की एक टीम भोपाल भी पहुंची थी। वहां टेक्निकल कारणों के चलते यह सब नहीं हो सका। इसके चलते मेडिकल टीम इंदौर के लिए रवाना हो गई है।

इंदौर में इन्वेस्टमेंट के नाम पर 83 लाख ठगे

म्यूजिक इवेंट, टाइल्स और अन्य प्रोडक्ट बेचकर प्रॉफिट का दिया झांसा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में बीमारी से परेशान एक व्यक्ति की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पीड़ित के मुताबिक उन्होंने अपनी एक प्रॉपर्टी बेची थी। इससे मिले पूरे रुपए आरोपियों के कहने पर इन्वेस्ट कर दिए। आरोपियों ने ना प्रॉफिट दिया और ना ही रुपए वापस किए। क्राइम ब्रांच के मुताबिक 46 वर्षीय रोहन की शिकायत पर मोहित पुत्र जगदीश महाजन, निवासी कनाडिया और निसार पुत्र लतुफ अली, निवासी खजराना के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। रोहन के मुताबिक आरोपियों ने म्यूजिक इवेंट, टाइल्स और अन्य उत्पाद बेचकर 5 प्रतिशत का प्रॉफिट देने के नाम पर रुपए इन्वेस्ट कराए थे । क्राइम ब्रांच के मुताबिक रोहन ने बताया कि बीमारी के चलते उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद परिवार और इलाज के खर्च के लिए उन्होंने एक बेशकीमती प्रॉपर्टी बेच दी। इस रुपए को वे रेगुलर इन्कम के लिए इन्वेस्ट करना चाहते थे। उन्होंने अपने परिचित प्रांजल को यह बात बताई। उसने मोहित महाजन से मुलाकात करवाई और कहा कि वह म्यूजिक इवेंट और अन्य बिजनेस में इन्वेस्ट करता है। इसके बदले एक निश्चित लाभ उसे मिलता है। इस दौरान एक गोदाम भी दिखाया और बताया कि यहां उत्पाद खरीदकर रखे जाते हैं। जिसे बाजार की मांग के हिसाब से मार्केट में निकाला जाता है। रोहन ने पहले 15 लाख रुपए इन्वेस्ट किए। बाद में करीब 85 लाख रुपए बैंक और अन्य माध्यम से दे दिए। आरोपियों ने जब और रुपए मांगे तो रोहन ने पहले दिए रुपए और प्रॉफिट के बारे में पूछा। इसके बाद मोहित और निसार ने उससे बात करना बंद कर दी। रोहन उनसे लगातार संपर्क कर रुपए की डिमांड करते रहे। लेकिन वह कुछ भी देने से इनकार करते रहे। रोहन ने बताया कि उन्होंने मार्च 2024 से दो से तीन माह कुछ प्रॉफिट दिया। लेकिन इसके बाद उन्होंने कुछ नहीं दिया।

इंदौर से उड़ानें फिर से शुरू

जोधपुर, चंडीगढ़ और जम्मू की उड़ानों की बुकिंग 15 मई से, टिकटों में छूट

इंदौर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण बॉर्डर के पास स्थित एयरपोर्ट्स से उड़ानों का संचालन बंद कर दिया गया था। इसके बाद इन एयरपोर्ट्स से संचालित होने वाली फ्लाइट्स की बुकिंग भी रोक दी गई थी। इंदौर से जोधपुर, चंडीगढ़ और जम्मू की उड़ानें भी बंद कर दी गई थीं। हालांकि, अब इंडिगो एयरलाइंस ने इन रूट्स की बुकिंग फिर से शुरू कर दी है। 15 मई से इन उड़ानों की बुकिंग उपलब्ध है और फिलहाल टिकट की कीमत 4,000 रुपए से शुरू हो रही है। सामान्य दिनों में इन टिकटों की कीमत 6,000 से 7,000 रुपए तक होती थी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी घोषणा की है कि जो एयरपोर्ट बंद किए गए थे, वे अब सिविल फ्लाइट्स के लिए फिर से खोले जा रहे हैं। इंदौर के ट्रैवल एजेंटों का कहना है कि इंदौर से ज्यादातर पर्यटक जोधपुर, चंडीगढ़ और जम्मू एयरपोर्ट से कनेक्टिंग फ्लाइट्स के जरिए अन्य पर्यटन स्थलों पर जाते हैं। इसलिए, इन रूट्स पर फ्लाइट्स कम बुक होने के कारण टिकटों की कीमत सस्ती रह सकती है। 6 मई को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इस जवाबी हमले के बाद सुरक्षा कारणों से 7 मई से पाकिस्तान सीमा से सटे जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के एयरपोर्ट्स पर सभी यात्री उड़ानों का

संचालन बंद कर दिया गया था। यह बंदी 10 मई तक रखी गई थी। शनिवार शाम को दोनों देशों के बीच सीजफायर की घोषणा की गई थी, जिससे यह उम्मीद की जा रही थी कि रविवार से उड़ानें फिर से शुरू हो जाएंगी। लेकिन रात में पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए भारत के कई सीमावर्ती शहरों में हमले किए। इसके बाद भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और एक बार फिर युद्ध जैसी स्थिति बन गई। इसके परिणामस्वरूप, रविवार को भी सीमा से सटे एयरपोर्ट्स पर उड़ानों का संचालन बंद रहा।

टिकट लेने से बच रहे यात्री

ट्रैवल एजेंटों के अनुसार, इंदौर से जोधपुर, जम्मू और चंडीगढ़ की उड़ानों की बुकिंग 15 मई से शुरू हो गई है, लेकिन इसके बावजूद यात्री टिकट लेने में संकोच कर रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि इन रूट्स पर टिकट की कीमत बेहद कम है। यदि युद्ध की स्थिति बनी रहती है, तो सीमावर्ती एयरपोर्ट्स पर उड़ानों का संचालन आगे भी बंद रह सकता है, जिससे 15 मई के बाद भी उड़ानें निरस्त हो सकती हैं।

स्टूडेंट्स के प्रदर्शन को 45 दिन से भी ज्यादा

मांग पूरी होने की उम्मीद में छात्र; इंदौर कलेक्टर से मिलेंगे एनईबाययू के सदस्य

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के कृषि कॉलेज के स्टूडेंट्स को धरना देते हुए 45 दिन से ज्यादा समय हो गया है। मगर अभी तक उनकी मांग पूरी नहीं हुई है। स्टूडेंट्स कॉलेज के डीन को हटाने की मांग कर रहे थे। इस मामले की जांच को लेकर एक कमेटी भी बनी थी। स्टूडेंट्स का कहना है कि कमेटी ने भी जांच रिपोर्ट नहीं दी है। नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन (एनईबाय) के सदस्य मंगलवार को कलेक्टर से मुलाकात करने जाएंगे।ा उल्लेखनीय है कि इंदौर के कृषि कॉलेज के स्टूडेंट्स पिछले कई दिनों से कॉलेज के गेट पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। वे कॉलेज के डीन के हटाने की मांग कर रहे हैं। 45 दिनों से ज्यादा वक्त से धरने पर बैठे हो चुका है। इस मामले में स्टूडेंट्स व एनईबाययू के सदस्य प्रशासन से लेकर मंत्रियों तक मामले की शिकायत कर चुके हैं। मगर उनकी मांग का निराकरण नहीं हुआ है।

कमेटी ने नहीं सौंपी जांच रिपोर्ट- एनईबायसू के सदस्य रंजीत किसानवंशी ने बताया कि इस मामले को लेकर पांच सदस्यों की कमेटी बनाई गई थी। जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों सहित प्रोफेसर भी शामिल हैं। उनका कहना है कि कमेटी द्वारा जांच कर ली गई है, लेकिन अभी तक इसकी रिपोर्ट नहीं सौंपी गई है।

फार्म हाउस में नहाते समय डूबा ठेकेदार, मौत

परिवार के साथ पिकनिक मनाने गया था, तालाब में डुबकी लगाई और फिर नहीं निकला बाहर

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के बेटमा इलाके के मोना ग्राम में रविवार शाम टाट पट्टी बाखल निवासी 30 वर्षीय ठेकेदार तेहनून पिता नवाब खान की फॉर्म हाउस में बने तालाब में डूबने से मौत हो गई। वह परिवार के साथ पिकनिक मनाने गया था और नहाने के दौरान यह हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक, शाम करीब 6 बजे तेहनून ने तालाब में ऊपर से डुबकी लगाई, लेकिन काफी देर तक वह पानी से बाहर नहीं आया। कुछ देर बाद साथियों ने उसे खोजकर बाहर निकाला। मौके पर उसे सीपीआर दी गई और तुरंत अन्नपूर्णा क्षेत्र के एक निजी अस्पताल यूनिक ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और परिवारजनों का कहना है कि तेहनून को तैरना अच्छी तरह से आता था। इसके बावजूद वह डूब गया। प्रारंभिक तौर पर यह आशंका भी जताई जा रही है कि शायद उसे पानी में चोट लगी हो या फिर किसी अन्य कारण से उसकी जान गई हो।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौत के असली कारण का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। तेहनून पेशे से ठेकेदार था और अपने परिवार के साथ फॉर्म हाउस पर छुट्टी मनाने गया था।

मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी में 'अवशेष से आविष्कार' करने वाले प्रतियोगियों का हुआ सम्मान

इंदौर (एजेंसी)। मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी में 'अवशेष से आविष्कार' प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के गैर-शैक्षणिक (नॉन-टीचिंग) कर्मचारियों की नवाचार क्षमता और रचनात्मकता को उजागर किया गया। इस अनूठी पहल ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा केवल पढ़ाई-लिखाई या शिक्षण तक सीमित नहीं होती - तकनीकी और प्रशासनिक कार्यों में लगे कर्मचारी भी समाज और संस्थान को अपनी कल्पनाशक्ति और मेहनत से प्रेरित कर सकते हैं। प्रतियोगिता में ऐसे मॉडल और कलाकृतियाँ प्रस्तुत की गईं, जो विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध अनुपयोगी वस्तुओं (स्क्रैप) से तैयार किए गए थे। इनमें विश्वविद्यालय का मॉडल, पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी कलाकृतियाँ, ऊर्जा-संरक्षण उपकरण और अन्य रचनात्मक विचार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। यह आयोजन एक ऐसा मंच था जहाँ 'कर्मचारी' को 'सृजनकर्ता' के रूप में देखा गया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आर. सी. मित्तल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों के कार्यों को सराहा और कहा कि किसी भी संस्थान की शक्ति उसके प्रत्येक सदस्य में निहित होती है ,और यह आयोजन उसका सजीव प्रमाण है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे और भी मंच तैयार किए जाएंगे, जहाँ प्रत्येक कर्मचारी अपनी रचनात्मक ऊर्जा को प्रदर्शित कर सकें। कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथियों में कुलपति प्रो. (डॉ.) दिलीप कुमार पटनायक, विश्वविद्यालय सलाहकार अक्षत गर्ग, ओ. एस. डी. टू चांसलरपलाश गर्ग, श्रीमती सुमिता पटनायक, रजिस्ट्रार पन्नीरसेल्वम सिलुवैनाथन, तथा निदेशक (जनसंपर्क) सुजीत सिंघल शामिल रहे। निर्णायक मंडल में श्रीमती सुमिता पटनायक औरपलाश गर्ग ने सक्रिय भूमिका निभाई और प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम संयोजन नवाचार केंद्र द्वारा किया गया, जिसका नेतृत्व डॉ. सरिता कंसल एवं डॉ. अकबर अली ने किया। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता न केवल रचनात्मकता को मंच देती है, बल्कि संसाधनों के पुनः उपयोग (री-यूज़) की भावना को भी प्रोत्साहित करती है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर टीम नवसृजन (सेंट्रल लाइब्रेरी) रही, जिन्होंने अपनी कलात्मकता और संदेशप्रद मॉडल से सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रथम उपविजेता के रूप में 'टीम प्रयास' (मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग) ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, जबकि द्वितीय उपविजेता 'टीम 8085 सर्किट' (इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग) रही, जिनके तकनीकी कौशल और नवाचार ने निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।

इंदौर के राजवाड़ा क्षेत्र में फैले केबलों को हटाया गया

निगमायुक्त ने दिया था निर्देश, मार्केट में आने वाली अन्य बाधाएं भी जल्द होंगी दूर

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर शहर के पश्चिम क्षेत्र में बने पुराने बाजारों से केबलों (तारों) का जाल हटाया जा रहा है। इसके अलावा, यहां आने वाली अड़चनों को भी जल्द दूर किया जाएगा। कुछ दिनों पहले निगमायुक्त शिवम वर्मा ने सराफा बाजार, रेडीमेड बाजार, कपड़ा मार्केट और आसपास के बाजारों का दौरा किया था। इस दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारी और व्यापारी भी मौजूद थे। उन्होंने मार्केट में आने वाली समस्याओं को निगमायुक्त के समक्ष रखा था।

निगमायुक्त ने दिया था समाधान निकालने का आश्वासन- पिछले दिनों

निगमायुक्त ने सराफा बाजार, कपड़ा मार्केट समेत अन्य एसोसिएशनों के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक भी की थी। बैठक के अगले ही दिन निगमायुक्त शिवम वर्मा निगम के अन्य अधिकारियों के साथ मार्केट पहुंचे थे। उन्होंने अलग-अलग बाजारों में एसोसिएशन के पदाधिकारियों और व्यापारियों के साथ दौरा किया था। इस दौरान वहां फैले तारों के जाल, बाधाओं, पार्किंग आदि को लेकर चर्चा कर जल्द समाधान निकालने का आश्वासन दिया था।

उन्होंने कहा था कि क्लॉथ मार्केट हमेशा से एक क्रिटिकल पॉइंट रहा है। यहां पहले भी आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। संकरे रास्ते, तारों का जाल और भीड़भाड़ के कारण यह इलाका संवेदनशील है। सड़कों पर मौजूद बाधाएं, जिनके कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को आने-जाने में परेशानी होती है, उन्हें जल्द हटाया जाएगा। दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया जाएगा।

राजवाड़ा के आसपास लगभग पूरी तरह से केबलों को हटाया गया- निगमायुक्त के दौरे के अगले दिन से ही बाजारों में फैले तारों के जाल को हटाने का काम शुरू हो गया था। अलग-अलग कंपनियों के लगाई गई केबलों को भी व्यवस्थित कर दिया गया था। राजवाड़ा के आसपास तारों के जाल को पूरी तरह से हटा दिया गया है। इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अक्षय जैन ने बताया कि निगमायुक्त के दौरे के बाद केबलों को हटाने का काम शुरू किया गया था, जो अब पहले से बहुत कम हो गया है। राजवाड़ा के आसपास लगभग पूरी तरह से केबलों को हटा दिया गया है। इधर, निगम रास्ते में आने वाली अन्य बाधाओं को भी जल्द हटाएगा।

इंदौर के तापमान में लगातार इजाफा

उमस के कारण लोग हलाकान, आज तेज हवा और हल्की बारिश का अनुमान

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में अब दिन और रात के तापमान में लगातार इजाफा हो रहा है। दूसरी ओर पिछले दिनों सवा इंच हुई बारिश का असर अब उमस के रूप में महसूस हो रहा है। रविवार को भी दिनभर काफी उमस थी। सोमवार को आज सुबह से मौसम साफ है। मौसम वैज्ञानिकों ने आज इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश के संकेत दिए हैं। दिन का तापमान 35.5 (-5) डिग्री और रात का तापमान 24.4 (0) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। रविवार को इसमें मामूली इजाफा हुआ। दिन का तापमान 35.9 (-4) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रात का तापमान 1 डिग्री बढ़कर 25.4 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस तरह दिन का तापमान सामान्य से 4 डिग्री और रात का तापमान सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा रहा।

इस बार औसत तापमान रहने के आसार- उधर 25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है जो 3 जून तक चलेगा। इस बार भी तपिश के इन नौ दिनों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने वाला है। इसका कारण यह है कि 20 मई से गर्मी को प्रभावित करने वाला वेस्टर्न डिस्टर्बेंस फिर एक्टि होने वाला है। इस कारण पूरे मई में अधिकतम तापमान औसत से कम रहेगा। दरअसल 1 जून के बाद प्री-मानसून की गतिविधि और तेज हो जाएंगी। इससे तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर चलता रहेगा।

संपादकीय

अब उठने लगे सवाल

अपने फुल स्विंग में जारी 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अचानक भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम (सीजफायर) को लेकर जहां एक वर्ग ने राहत की सांस ली है, वहीं आम जनता के बीच सवाल पूछा जा रहा है कि आखिर यह सीजफायर किसकी मांग पर हुआ? पाकिस्तान की या फिर भारत की? पहलगाम आंतकी हमले के बाद जब इस पूरे मामले में भारत का अपर हैंड दिख रहा था तो ऐसा कौन सा दबाव बना कि भारत ने सीजफायर स्वीकार कर लिया? क्या यह संघर्ष को और नहीं बढ़ने देने का विवेकपूर्ण फैसला था या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव के आगे समर्पण था? क्या इस समूचे प्रकरण में पाकिस्तान को खुद को विक्टिम के रूप में पेश करने की रणनीति काम कर गई या फिर भारत की हेठी अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र का शिकार हो गई? सवाल यह भी है कि जब हमारी सेना ने अपने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया था तो कूटनीतिक मोर्चे पर हमे कदम पीछे क्यों खींचने पड़े? हमने अपनी तरफ से सिंधु जल समझौता स्थगित कर मास्टर स्ट्रोक खेला था, लेकिन दूसरी तरफ पाकिस्तान ने जवाब में शिमला समझौता रद्दकर कश्मीर विवाद में तीसरे देश की एंट्री का रास्ता खोलकर उसी भाषा में जवाब दिया, जिसकी मार हमें हमारी आत्ममुग्धता के कारण समझ नहीं आई। वरना कल तक जो अमेरिका कश्मीर मामले में बोलने से बच रहा था, वही अब कश्मीर विवाद में भारत-पाक के बीच मध्यस्थता करने का दावा सीना ठोक कर कर रहा है। उधर अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ समझौते ने भारत की स्थिति और उलझा दी है। अगर विश्व की दोनों महाशक्तियां एक हो गई तो भारत क्या करेगा? ये ऐसे गंभीर सवाल हैं, जिनका उत्तर देश जानना चाहता है। यूं ऑपरेशन सिंदूर और उसका श्रेय सेना को दिया जा रहा है, वह ठीक भी है, लेकिन जो राजनीतिक और कूटनीतिक प्रश्न हर भारतीय के मन को मथ रहे हैं, उनका जवाब तो सरकार को ही देना होगा। जहां तक सीजफायर किसके गिड़गिड़ाने पर हुआ, इस बारे में कई थ्योरियां चल रही हैं। एक थ्योरी, जिसे भारतीय सूत्र भी बता रहे हैं, वो ये है कि भारतीय सेना की मार खाने के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका, सउदी अरब, तुर्की आदि से बचाने की गुहार की। जिसके परिणामस्वरूप में शुरू में तटस्थ दिख रहे अमेरिका ने अपना खेल शुरू कर दिया। इसमें चीन का भी हाथ हो सकता है। जबकि पाकिस्तानी सूत्रों का कहना है कि सीजफायर भारत ने मांगा था, हमने स्वीकार कर उस पर उपकार किया है। यह झूठ भी हो सकता है, लेकिन सीजफायर पर पाकिस्तान में जिस तरह जश्न मनाया गया है, उसके कई अर्थ हैं। सीजफायर किसी के कहने पर भी हुआ हो, लेकिन इस विवाद में अमेरिका को घुसने का सुनहरा अवसर मिल गया है। वैसे भारत सरकार के सूत्रों का अभी भी कहना है कि यह कोई सीजफायर नहीं है बल्कि भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच युद्ध न करने का परस्पर समझौता है। जिसे तोड़ने पर भारत ईंट का जवाब पत्थर से देगा। कहा यह भी जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। लेकिन सीजफायर के कारण पाकिस्तान में वहां की सेना और जेहादियों को नए सिरे से तैयारी करने का जो मौका दे दिया गया है, उसका क्या? यह आशंका तो पहले ही थी कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत को मिला अंतरराष्ट्रीय समर्थन क्या हमारे पलटवार के बाद भी जारी रहेगा? वो आशंका काफी हद तक सच साबित हुई है। बहरहाल हमें हमारी सरकार और सेना की बात पर भरोसा करना चाहिए, लेकिन सच भी सामने तो लाना ही होगा।

दिखाई दिया मोदी की युद्ध योजना का कमाल

नजरिया

अशोक भाटिया

लेखक मुंबई निवासी स्तंभकार हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच बीते दिनों में सैन्य तनाव अपने चरम पर पहुंच गया। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंक के अड्डों पर सटीक और जबरदस्त प्रहार किए। यह ऑपरेशन 7 मई की सुबह प्रारंभ हुआ और 10 मई तक भारतीय वायुसेना और थलसेना ने पाकिस्तान में कई रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाकर व्यापक नुकसान पहुंचाया। अमेरिका की मध्यस्थता से संघर्षविराम लागू किया गया, जिसने फिलहाल दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच टकराव को टाल दिया है।

दरअसल प्रधानमंत्री मोदी की युद्ध योजना सटीक थी कि चार दिन में ही घुटने टेक दिए पाकिस्तान ने। हालाँकि भारत ने पाकिस्तान के नागरिकों पर हमला नहीं किया। यह एक युद्ध था और पाकिस्तान युद्ध हार गया। ऐसा पहले भी साढ़े तीन बार हो चुका है, लेकिन अब कहना होगा कि यह ज्यादा प्रभावी और सटीक हमला था। मोदी की सटीक भविष्यवाणियां हैं जिसने पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर किया। वास्तव में, यह युद्ध पारंपरिक अर्थों में नहीं था, बल्कि यह भारत द्वारा पाकिस्तान को पाकिस्तान के नापाक इरादों को नष्ट करने के इरादे से सिखाया गया एक सबक था। पहलगाम में, पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पर्यटकों पर क्रूर हमले किए और उनमें से कई को उनके कपड़े उतारकर मार डाला। वे नहीं आए और उन्हें गोली मार दी गई। मोदी ने ठान लिया था कि इन आतंकियों को सबक सिखाएंगे और इसे लागू करेंगे। अगर इस जगह नेहरू या कांग्रेस की सरकार होती, तो वह विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला भेज रही होती। लेकिन यह मोदी और नेहरू या कांग्रेस के बीच एक गुणात्मक अंतर है। मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार जानती है कि उसे क्या चाहिए और वह जानती भी है कि उसे क्या चाहिए। नतीजतन मोदी की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। लेकिन यहां मोदी की लोकप्रियता का कोई सवाल ही नहीं था। भारत की निर्दोष बहनों की हत्या का बदला लेना जरूरी था, जिन्होंने अपनी कुंवारी उम्र खो दी थी और मोदी ने यही किया। इसलिए, यह मोदी ही थे जिन्होंने इस ऑपरेशन को सही नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' दिया।

विपक्ष अब भारत को ज्ञान सिखा रहा है कि भारत ने युद्ध क्यों नहीं किया और उसे पाकिस्तान को पूरी तरह से नष्ट कर देना चाहिए था। अगर ऐसा होता, तो वही विपक्ष कहता कि मोदी सरकार ने पाकिस्तान के लोगों को मार दिया। इसलिए मोदी चुप रहे और उन्होंने अपना बदला भी दिया और महिलाओं को न्याय भी दिया। यह जानते हुए कि पाकिस्तान को पाकिस्तान की किसी भी गलती का शिकार नहीं होना चाहिए, मोदी ने अब पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया है। अगर लोग मारे गए होते, तो पाकिस्तान ने गंभीर शपथ ली होती। यह भौंरा होता। लेकिन अब उसके पास वह मौका नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर हमला कर उन्हें तबाह किया है। इस बीच मसूद अजहर के परिवार की हत्या कर दी गई है। यह मसूद अजहर वही है जिसने कंधार में विमान अपहरण मामले में भारतीयों को बंधक बनाकर रखा और उनकी सहिष्णुता का अंत देखा। उनके परिवार के नौ सदस्य मारे गए हैं, जबकि एक अन्य आतंकवादी अब्दुल रऊफ भी ऑपरेशन सिंदूर में मारा गया है। यह युद्ध नहीं था, बल्कि पाकिस्तान को उसकी जबरदस्त आक्रामकता की सजा थी। आतंकवादी शायद यह सबक भूल गए होंगे। अब, यह भारत में कांग्रेस सरकार नहीं है, बल्कि मोदी की भाजपा की सरकार है और यह हमें थोड़ी सी गलती के लिए प्रायश्चित देती है। भारत को पाकिस्तान के युद्धविराम पर भरोसा नहीं है। पाकिस्तान को चेतावनी दी गई है कि अगर पाकिस्तान ने अब से कुछ भी गलत किया तो इसका मतलब होगा कि उसने भारत के खिलाफ युद्ध का ऐलान कर दिया है।

इससे सिंधु जल संधि के निलंबन की व्यवस्था पहले से ही

हो चुकी है। मोदी ने सिंधु जल संधि के निलंबन की व्यवस्था की है। इससे पाकिस्तान के नाक और मुंह में पानी चला गया है, जो पानी की कमी के कारण उसकी खेती को सुखा देगा। और कई आर्थिक उपाय किए गए हैं जो पाकिस्तान के जीवन को मुश्किल बना देंगे। गलत का एहसास करना जरूरी था और मोदी ने यह किया है। भारत ने इस ऑपरेशन में आतंकी कैंपों पर हमला कर उन्हें तबाह कर दिया था। यह सफलता बहुत बड़ी है। भारत ने कहीं भी लोगों की रक्षा नहीं की है। इसके विपरीत, पाकिस्तान ने अपने ही लोगों को बचाकर भारतीय सेना पर हमला किया। लेकिन ये सभी हमले विफल रहे। अब पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखा दिया गया है कि वह कुछ सालों तक उससे मुंह नहीं मोड़ पाएगा। न सिर्फ पाकिस्तान की गतिविधियों पर रोक लगेगी, बल्कि भारत अब पहलगाम नरसंहार को अंजाम देने वाले आतंकियों को मारने पर ध्यान देगा। क्योंकि यह भारत का घाव है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी भाग गए हैं। जब तक उन्हें दंडित नहीं किया जाता तब तक भारत का बदला अपर्याप्त होगा। अब पाकिस्तान शांति की शिक्षाओं को याद कर रहा है।

पाकिस्तान के दैनिक 'द डॉन' ने सलाह की खुराक दी है कि युद्ध कैसे गलत है। लेकिन किसने पहले शुरू किया और पाकिस्तान इतने लंबे समय से ऐसा ही कर रहा है। अब पाकिस्तान को भारत से वैसी ही या उससे भी कठोर प्रतिक्रिया मिल रही है। यदि आप शांति चाहते हैं, तो आपको मजबूत होना होगा। कमजोरों की पुकार पर कोई जवाब नहीं देता। भारत ने इसे साबित कर दिया है। हालांकि, पाकिस्तान ने बार-बार साबित किया है कि वह अभी भी नहीं सुधर रहा है। उसने संघर्ष विराम के बाद भी गोलीबारी जारी रखी है। पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय क्षेत्र में आ रहा है और कई घरों को नुकसान पहुंचा है। कुछ जगहों पर लोगों की मौत भी हुई है। पाकिस्तान किसी भी सूरत में सुलह की बात नहीं समझता। वह बर्बादी की भाषा समझता है। अगर ऐसा होता है तो भारत अब उसी तरह से जवाब देगा। मोदी ने पाकिस्तान को सबक सिखाया है, लेकिन अगर पाकिस्तान इसे नहीं समझता है तो पाकिस्तान को व्यापक हमले की बात करनी पड़ेगी। पाकिस्तान का खनन कार्य अभी भी जारी है। अगर वो नहीं रुके तो भारत को आखिरी झटका भुगतना पड़ेगा। ये सच है कि दुनिया का कोई भी देश पाकिस्तान को नहीं बचा सकता।

वैसे, डोनाल्ड ट्रम्प संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे निस्वार्थ राष्ट्रपति हो सकते हैं जब यह अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की बात आती है। 'उन्हें देखना चाहिए' उनके पसंदीदा शब्द हैं। फिर भी उन्होंने रूस और यूक्रेन के साथ-साथ इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम लाने के लिए पर्दे के सामने या पीछे से काम किया। उन्होंने शुरू में कहा था कि दोनों देश संघर्ष विराम की घोषणा से लगभग 48 घंटे पहले 'इसे जल्द से जल्द हल करेंगे'। संघर्ष विराम की घोषणा सबसे पहले शनिवार शाम को की गई थी। असली अर्थ यह है कि वह पहली जगह में यह घोषणा कर रहा है। ट्रम्प के सभी कार्यों में नाटक है, जो यहां भी स्पष्ट था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति वेंस युद्धविराम के लिए दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों, राज्य सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ निकट संपर्क में थे। सीएनएन और कई चैनलों ने बताया है कि उन्होंने अभी तक इनकार नहीं किया है कि उन्हें ऐसा करने की अनुमति दी गई है। ट्रंप परिणाम का श्रेय लेना चाहते थे। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि हमने उन्हें इसे लेने क्यों दिया। इजरायल-हमास, रूस-यूक्रेन संघर्ष अभी भी उग्र है। कम से कम भारत-पाकिस्तान के पहले कुछ घंटों में, संघर्ष विराम शाम 5 बजे से लागू हो गया, हमने शाम 6 बजे एक घोषणा की, लेकिन 7 बजे से हमारे पास जम्मू-काशीर और फिर पंजाब, राजस्थान, गुजरात के आसमान में पाकिस्तानी ड्रोन फिर से दिखाई दिए। जम्मू-कश्मीर बॉर्डर से भी पाकिस्तानी फायरिंग शुरू हो गई। हमें इस बात पर संदेह है कि क्या पाकिस्तान युद्धविराम के बारे में वास्तव में गंभीर है, और इस सभी भ्रम की व्याख्या करने से पहले, युद्धविराम पर भारत और पाकिस्तान की स्थिति की जांच करना आवश्यक है।

भारत ने इसे उस तरह से नहीं किया है जिस तरह से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रशंसा की है। शनिवार दोपहर, पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने भारत के सैन्य संचालन महानिदेशक से संपर्क किया और संघर्ष विराम की पेशकश स्वीकार कर ली। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी स्पष्ट कर दिया गया था कि युद्धविराम पर अगली चर्चा हो रही है। जब तक कोई ठोस फैसला नहीं होता तब तक हमारे सशस्त्र बल संघर्ष की स्थिति में जितना आवश्यक होगा उतना तैयार होंगे। भारत के लिए ऐसा कहना महत्वपूर्ण है। घोषणा के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान से जो हुआ उससे इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह कितना प्रासंगिक था। भारत ने 7 मई को भोर से पहले ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 8 और 9 मई की दरम्यानी रात को पाकिस्तान की ओर से ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे थे। भारत के साथ संघर्ष विराम पर सहमत होने के बावजूद संघर्ष विराम का उल्लंघन पाकिस्तान के लिए कोई नई बात नहीं है। लेकिन इस बार स्थिति टकराव और पाकिस्तान के लिए खतरनाक होती जा रही थी। इसके अलावा, इस बार अमेरिका ने हस्तक्षेप किया और पाकिस्तान सरकार- प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री द्वारा स्वागत किया गया। हो सकता है कि सोमवार तड़के या बाद में पाकिस्तान की ओर से और आक्रामकता न हुई हो, लेकिन सवाल यह है कि अगर पाकिस्तान ने युद्धविराम की पेशकश की है, तो क्या हमने इसे स्वीकार कर लिया है? यदि हां, तो यह आश्चर्य की बात नहीं है कि दोनों देशों के बीच आखिरी लंबा संघर्ष 1999 में कारगिल के दौरान हुआ था; उस समय अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर दबाव बनाया था। यह सच है कि भारतीय सेना और वायु सेना ने कारगिल और आसपास के बहुत उबड़-खाबड़ द्वीपों में प्रदर्शन करके लंबे संघर्ष के बाद पाकिस्तान पर दांव को उलट दिया। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अमेरिकी दबाव के बिना, पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ तब तक बने रहते जब तक कि भारत का क्रूर युद्ध नहीं छिड़ जाता। शहबाज शरीफ आज पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हैं। आसिम मुनीर पाकिस्तान सेना के इंचार्ज हैं। इस युद्धविराम ने उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' के कारण हुई निरर्थकता को मिटाने का अवसर दिया। इसके अलावा, 'इस्लामिक परमाणु बम' की मुट्ठी ढकी हुई थी। इस तथ्य के बावजूद कि ट्रम्प संघर्ष को समाप्त करने के बारे में पिछले अमेरिकी राष्ट्रपतियों की तरह गंभीर नहीं थे, मुनीर ने उन्हें गले लगा लिया। हमने इसे स्वीकार कर लिया। जिस तरह उन्हें अपनी छवि बचाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखने की जरूरत थी, उसी तरह हमारे राजनेताओं के लिए पाकिस्तान को 'सीधा' करना जरूरी था। हम भी ऐसे कदम उठा रहे थे।

विश्व नीति

विवेकानंद माथने

लेखक 'आजादी बचाओ आंदोलन' एवं 'किसान स्वराज आंदोलन' से संबद्ध हैं।

युद्ध : विनाश का वैश्विक व्यापार

युद्ध मानव सभ्यता के इतिहास का एक दुखद, लेकिन महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। प्राचीन काल से लेकर आज तक, भले ही युद्धों के स्वरूप बदलते रहे हों, परंतु उनके मूल कारण आज भी वही हैं-सत्ता की लिप्सा, प्रभुत्व की चाह और संकुचित राष्ट्रवाद। महाभारत का महासंग्राम हो या प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध, हर संघर्ष के बाद शेष रह जाती हैं, केवल लाशें, उजड़े नगर, बिखरे सपने और मानवता की हार। विडंबना यह है कि आज जब विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है, तब भी दुनिया युद्ध के उन्माद से ग्रस्त है, संकुचित राष्ट्रवाद का ज्वर चढ़ा है, हर देश दूसरे को आंखें दिखा रहा है, मानो एक-दूसरे के खून का प्यासा हो। परिस्थितियां धीरे-धीरे तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही हैं।

यूक्रेन, जो कभी सोवियत संघ का हिस्सा था, अब 'नार्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन' (नाटो) से जुड़ना चाहता है। 'नाटो' ने रूस को घेरने की मंशा से यूक्रेन का समर्थन किया और यह टकराव युद्ध में बदल गया। यह संघर्ष तीन साल से जारी है। यूक्रेन के शहर खंडहरों में तब्दील हो गए हैं और बुनियादी ढांचे ध्वस्त हो गए हैं। अब तक दोनों पक्षों के कुल 1.90 लाख से अधिक सैनिक मारे गए और 2.80 लाख से अधिक घायल हुए हैं। यूक्रेन की 1.43 करोड़ आबादी विस्थापित हो चुकी है, जिनमें से 65 लाख से अधिक शरणार्थी बनकर विदेश चले गए हैं और शेष अपने ही देश में दर-दर भटक रहे हैं। यूक्रेन की अर्थव्यवस्था चरमरा चुकी है, वहीं पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस की अर्थव्यवस्था भी गंभीर दबाव में है।

'हमास' के हमले और नागरिकों को बंधक बनाए जाने के जवाब में इज़राइल ने गाज़ा पर भीषण हमला किया। इस बदले की आग में हज़ारों निर्दोष लोगों की जानें गईं और लाखों घायल हुए, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाज़ा के करीब 19 लाख लोग विस्थापित हो चुके है, 70 प्रतिशत से अधिक आवास नष्ट हो चुके हैं और अस्पताल, स्कूल, पानी और बिजली व्यवस्था का लगभग 90 प्रतिशत ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। भोजन और पानी जैसी बुनियादी ज़रूरतों का भी गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

सूडान में 2023 से सेना और 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष में 61,000 से अधिक लोग मारे गए और 1.2 करोड़ विस्थापित हुए हैं। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद गृहयुद्ध छिड़ा, जिसने लाखों को शरणार्थी बना दिया। यमन में 2014 से जारी युद्ध ने 68 प्रतिशत आबादी को मानवीय सहायता पर निर्भर कर दिया। इथियोपिया में 'टिग्रे संघर्ष' ने हजारों की जान ली और लाखों को भुखमरी की कगार पर पहुंचा दिया। इराक, लेबनान और अफगानिस्तान के ज़ख्म आज भी हरे हैं।

हर युद्ध की सबसे बड़ी कीमत आम आदमी चुकाता है। जान-माल के नुकसान के साथ-साथ आम जीवन की बुनियादी ज़रूरतें और सामाजिक प्रगति भी बुरी तरह प्रभावित होती है। सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और गरीबी-उन्मूलन जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों के बजट में कटौती कर रक्षा खर्च बढ़ा देती हैं, जिससे आम जनता का जीवन और भी कठिन हो जाता है। भूख, बेरोजगारी और असमानता बढ़ती है। युद्ध का अंजाम केवल विनाश होता है, फिर भी युद्ध क्यों जारी रहते हैं? इसे क्यों नहीं रोका जाता? आखिर कौन हैं वे, जो युद्ध से लाभ उठा रहे हैं? दरअसल, युद्ध केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं होता, यह एक सुनियोजित योजना का हिस्सा होता है, जिसमें कुछ ताकतें पर्दे के पीछे से भारी लाभ कमाती हैं।

युद्ध के पीछे असली कारण संसाधनों पर कब्जा, हथियारों की बिक्री, मंदी से जूझती अर्थव्यवस्था को गति देना और सत्ता को मजबूत करना होता है। तेल, खनिज, जल, जमीन और श्रम पर नियंत्रण पाने के लिए बार-बार लड़ाइयां लड़ी गई हैं। अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्रों द्वारा यूक्रेन को हथियार देना एकतरफा नहीं है, बल्कि इसके पीछे यूक्रेन के संसाधनों और क्षेत्रीय प्रभाव पर पकड़ बनाने का रणनीतिक लक्ष्य भी है। इन युद्धों ने पुराने हथियारों के भंडार खाली कर दिए हैं। 'एआई ड्रोन,' 'हाईपरसोनिक मिसाइलें' और साइबर हथियार जैसी नई तकनीकों वाले हथियार भी आज़माए गए हैं। युद्ध एक ऐसी 'लाइव टेस्टिंग लैब' बन चुका है, जहां नए हथियारों को परखा जाता है और उनके लिए बाज़ार तैयार किया जाता है।

अब सभी देश हथियारों की दौड़ में शामिल हो गए हैं। इससे रक्षा उद्योग के लिए एक बड़ा बाजार खड़ा हुआ है। अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और जर्मनी जैसे देश बड़े हथियार निर्यातक हैं। युद्ध उनकी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर रहा है। पारंपरिक हथियारों से लेकर परमाणु, जैविक और अब 'आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस' (एआई) आधारित स्मार्ट हथियारों तक, यह उद्योग युद्ध पर ही टिका है। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सीपरी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में वैश्विक सैन्य खर्च 2.70 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं जब भी आर्थिक संकट और मंदी से गुजरती हैं तब युद्ध उनके लिए एक अवसर बन जाता है। हथियारों की खपत बढ़ती है, पुराना स्टॉक खाली होता है और नए उत्पादनों का बाजार तैयार होता है। अमेरिका, रूस, फ्रांस जैसे देश पुराने हथियारों को युद्ध में झोंककर अपनी सैन्य उत्पादन प्रणाली को पुनर्जीवित करते हैं। युद्ध उनके आर्थिक पुनरुद्धार की रणनीति बन जाता है।

हाल की पहलगाम जैसी आतंकी घटनाएं निस्संदेह बहुत पीड़ादायक हैं, लेकिन यह भी सोचने की ज़रूरत है कि क्या इन हमलों के पीछे खडी बड़ी ताकतें दोनों देशों को युद्ध के रास्ते पर धकेलना चाहती हैं? जनता का आक्रोश जायज़ होते हुए भी, यह प्रश्न जरूरी है कि क्या ये हमले केवल आतंकियों के हैं या कोई और ताकत इन्हें अंजाम देकर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की ज़मीन तैयार कर रही है?

वे जानते हैं कि कोई भी बड़ा देश आम जनता के समर्थन के बिना युद्ध नहीं लड सकता। पहलगाम जैसे आतंकी हमलों से उत्पन्न संवेदना का दोहन करना आसान होता है। युद्ध कई बार राष्ट्र की अस्मिता से जोड़ दिया जाता है। युद्ध के पहले ऐसी परिस्थितियां तैयार की जाती हैं कि शांति और सह-अस्तित्व में विश्वास रखने वाले लोग भी युद्ध के समर्थन में खड़े हो जाते हैं। संकुचित राष्ट्रवाद को उकसाने में कॉर्पोरेट मीडिया और सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका है। फेक न्यूज़, उग्र भाषण और भावनात्मक उन्माद फैलाकर जनता को युद्ध के समर्थन में खड़ा कर दिया जाता है। लोग भ्रमित होकर प्रतिशोध की आग में युद्ध को न्याय समझने लगते हैं।

यदि यह उन्माद तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ा, तो निश्चित ही जैविक, परमाणु और 'एआई' आधारित विध्वंसक प्रणालियों का प्रयोग होगा। यह ऐसी तबाही ला सकता है जिसकी कल्पना भी भयावह है और जिसके परिणाम पूरी मानवता को सदियों भुगतने पड़ेंगे। इसलिए जरूरी है कि हम युद्धोन्मादी नेताओं, उकसाने वाले मीडिया संस्थानों और हथियार बेचने वाले देशों के खिलाफ एकजुट होकर युद्ध को ही चुनौती दें। यह लोगों की ज़िम्मेदारी है कि वे युद्ध को नकारें और शांति का रास्ता चुनें। विनाश नहीं, जीवन चुनें! (सप्रेस)

जंगल के चुनाव

कटाक्ष

सुरेश सौरभ

लेखक व्यंग्यकार हैं।

चुनाव आने वाले थे। जंगल का राजा शेर भोग-विलास की अपनी सामग्री में पड़ा हुआ था। जब उसके अंधभक्त मंत्रियों और कारकुनों ने चुनाव का स्मरण कराया, तो उसने अपने मंत्रालय के खास विश्वास पात्रों की आनन-फानन में आपात बैठक बुलाई। बैठक में उसका सचिव शानू सियार विचार प्रकट करते हुए बोला-महराज! इस बार लग रहा, आप चुनाव न जीत पायेंगे?

शेर दहाड़कर बोला-वो क्यों?

सियार-वो इसलिए, न आप ने युवाओं के लिए रोजगार की समुचित व्यवस्था की। न शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया। न नई जन कल्याणकारी योजनाएँ शुरु कीं। ऊपर से आप तमाम जंगल की कीमती लकड़ियाँ और महत्वपूर्ण सम्पत्तियाँ बेचते जा रहे हैं, रोज-ब-रोज अपनी विलासिता की सारी सामग्री खरीदते जा रहे हैं। अब पब्लिक सब होशियार हो गयी है। कोई आप को वोट न देगा?

तब घोर चिन्ता में डूबा, शेर अपना सिर पकड़कर बोला-तब क्या किया जाये? तब खुफिया विभाग की मंत्री चिन्टी लोमड़ी फौरन बोली- महराज! इसका तो बस एक ही इलाज है।

शेर अधीरता से-जल्दी बताओ?

चिन्टी-साम्प्रदायिक दंगा।

शेर-अरे! ये क्या कह रही हो तुम, तुम्हारा दिमाग तो सही है?

चिन्टी-हाँ, सही है, अब यही एक विकल्प बचा है, इसके अलावा और कोई नहीं?

अपनी मूछों पर हाथ फेरता हुआ सुरक्षा मंत्री रम्पत चीता बोला-कहना आसान है, पर करना या कराना बहुत मुश्किल है। कैसे इसकी कार्य योजना बनेगी। जरा विस्तारपूर्वक बताइए चिन्टी बहना?

चिन्टी-धार्मिक उन्माद फैलाने के लिए कुछ भाड़े के लोगों को, पैसा देकर उनसे उल्टी-सीधी बयानबाजी करानी पड़ेगी। जंगल की पब्लिक को पहले से ही, आप ने शिक्षा और ज्ञान-विज्ञान ने वंचित करके रखा है। इसलिए आप का काम और बहुत आसान हो जाएगा। फिर देखिएगा, हमारे खरीदे मीडिया वाले भी कैसे-कैसे, लोगों के बीच में, आग लगा कर उन्हें आपस में लड़ाते है। और फिर....बीच में ही शेर बोल पड़ा-फिर हम उस आग को बुझाने में झूठ-मूठ ही लग जाएँगे। तब तक चुनाव आ जाएँगे।

सुरक्षा मंत्री चीता कुटिल मुस्कान बिखेर कर बोला-फिर आप अपनी राजनैतिक रोटियाँ उस आग पर सेंकते हुए धीरे-धीरे उस उन्मादी आग को शान्त लेंगे। बहुमत में अधिक अपनी प्रजाति के लोगों का, पक्ष लेते हुए, सारी चुनावी हवा अपने अनुकूल बना लेंगे। फिर वही जनता कहेगी, 'आप कितने महान हैं, जो आपने अपने राज्य को उन्मादियों की आग से, जलने से, बचा लिया।' आप ने अपने पौरुष से जनता के जान-माल की इतनी रक्षा की, जितनी कोई और कभी न कर सकता था। आप चिन्ता न करें? आप के अंधभक्त तो आप को अवतारी पुरुष के रूप में प्रचारित करेंगे। फिर यही मूढ़ जनता आप को दुबारा, सत्ता की चाशनी, सोने-चाँदी के चम्मच से चटाएगी।

शेर मुस्कुराया। उसकी आँखों में शैतानियत का दानव अट्टहास करते हुए, झांक रहा था। कुछ दिन बाद फिर वही हुआ...शेर जंगल में पुनः भारी मतों से राजा चुना गया। उसकी चारों दिशाओं में जय-जयकार जंगल की सारी जनता कर रही थी।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

मुकेश नेमा

लेखक मध्यप्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

उसे जब होना होता है तब हो ही जाती है

लड़ने का सबसे बड़ा और पहला सिद्धांत यह कि बराबरी वालो से ही लड़ना ठीक। अफसर यदि ड्राइवर से उलझे। नौकरी खा ले उसकी और बदले में ड्राइवर चार लोगों के सामने उससे ऊँची आवाज मे बात कर जाए। तो क्या होगा? ड्राइवर हाथों हाथ दूसरी नौकरी पा जाएगा और साहब का सालों मजाक बनता रहेगा।

और फिर फटेहाल पड़ोसी से लड़ना तो और खतरनाक। आपने उसकी साइकल की चेन उतारी बदले मे उसने आपकी कार के पेट्रोल टैंक मे आधा किलो शक्कर घोल दी। आपने उसे कोसेंगे वो चिल्ला चिल्लाकर पूरा मोहल्ला इकट्ठा कर लेगा। फिर आप लाख सफाई दें आपकी कोई नही सुनेगा। देखा ही होगा आपने, कार और मोटर साइकिल की टक्कर मे गलती हमेशा कार वाले की ही मानी जाती है। अमीर गरीब की लड़ाई मे ताने उलाहने हमेशा अमीर के हिस्से। गरीब भले काइयाँ हो उसके आँसू पोंछने के लिए कभी कोई पीछे नही हटता।

कहने का लब्बोलुआब यह कि लड़ना अच्छी बात नही।लड़ाई से दिमाग खराब ,नींद खराब। जमाने भर के टेंशन ।गांठ ढीली और जग हँसाई।और फिर लड़ने का कोई फायदा हो तो लड़े भी। चाय पी नहीं गिलास फोड़ा बारह आने। और फिर यदि सामने वाला कुत्ते की दुम हो तो उसे सीधा करने की कोशिशें बेकार। आप उसे चित करके अपनी पीठ थपथपाने से फुरसत हुए नहीं कि

उसकी हरकतें फिर चालू। अब उलझिए एक बार फिर उससे। और फिर हमेशा यही करते रहेंगे तो अपनी जिंदगी कब जिएँगे।

पर लड़ाई का करे क्या? जब वो होना होती है हो ही जाती है। ऐसे मे क्या करें? कोशिश यही हो फिर कि जितनी जल्दी मामला रफ़ा दफ़ा हो उतना अच्छा। कहा सुनी मे ही मामला निपट जाए तो बहुत बेहतर। इससे बात न बने तो लड़े फिर। पूरी ताकत से लड़ें ,कोशिश करे कि सामने वाले को तरफ़दारी करने वाले न मिले। सामने वाले को उठाए और पटकें। इसे बार बार दोहराएं। इतना कमजोर कर दे कि वो फिर लड़ाई करने के पहले पचास बार सोचे। यही करना चाहिए फिर और किया भी क्या जा सकता है ?

पाकिस्तान की दोहरी नीति उजागर

हालिया घटनाक्रमों ने एक बार फिर पाकिस्तान के दोहरे चरित्र को बेनकाब कर दिया है। आतंकियों को ढाल बनाकर छद्म युद्ध लड़ने की उसकी रणनीति अब केवल सीमा तक सीमित नहीं रही, बल्कि आम नागरिकों को भी ढाल के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश की जा रही है। यह न केवल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि मानवीय मूल्यों के भी खिलाफ है। आतंकियों की आड़ में निर्दोष जनता का इस्तेमाल, उनकी सुरक्षा को खतरे में डालना, पाकिस्तान की बौखलाहट और उसकी विफल कूटनीतिक रणनीति को दर्शाता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पाकिस्तान की गतिविधियाँ केवल भारत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उसका प्रयास है कि क्षेत्रीय अस्थिरता उत्पन्न हो और भारत को युद्ध के लिए उकसाया जा सके। अपने हवाई क्षेत्र को बंद न करना और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को जारी रखना इस बात का संकेत है कि वह जानबूझकर युद्ध जैसी स्थिति में भी सामान्यता का दिखावा कर रहा है ताकि किसी भी तरह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को दोषी ठहराया जा सके। किंतु भारत की परिपक्वता, संयम और जिम्मेदारीपूर्ण आचरण ने स्पष्ट कर दिया कि शांति उसकी प्राथमिकता है, किन्तु राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

मुद्दा

गंगा पाण्डेय

दुनिया के लोकतांत्रिक और शांतिप्रिय देशों के समक्ष जब भी सुरक्षा, आतंकवाद और मानवाधिकार जैसे मूलभूत विषयों पर कोई चुनौती खड़ी होती है, तो वहां की सरकारें और अंतरराष्ट्रीय संगठन सामूहिक प्रयासों से समाधान खोजने की कोशिश करते हैं। लेकिन कुछ देश ऐसे भी हैं, जिनके लिए आतंकवाद न केवल एक रणनीतिक हथियार बन गया है, बल्कि वे इसे अपनी विदेश नीति का अंग मानते हैं। पाकिस्तान इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जो वर्षों से आतंकवादियों को पनाह देने, प्रशिक्षित करने और भारत के विरुद्ध उन्हें सक्रिय रूप से इस्तेमाल करने के लिए कुख्यात रहा है।

हालिया घटनाक्रमों ने एक बार फिर पाकिस्तान के दोहरे चरित्र को बेनकाब कर दिया है। आतंकियों को ढाल बनाकर छद्म युद्ध लड़ने की उसकी रणनीति अब केवल सीमा तक सीमित नहीं रही, बल्कि आम नागरिकों को भी ढाल के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश की जा रही है। यह न केवल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है, बल्कि मानवीय मूल्यों के भी खिलाफ है। आतंकियों की आड़ में निर्दोष जनता का इस्तेमाल, उनकी सुरक्षा को खतरे में डालना, पाकिस्तान की बौखलाहट और उसकी विफल कूटनीतिक रणनीति को दर्शाता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पाकिस्तान की गतिविधियाँ केवल भारत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उसका प्रयास है कि क्षेत्रीय अस्थिरता उत्पन्न हो और भारत को युद्ध के लिए उकसाया जा सके। अपने हवाई क्षेत्र को बंद न करना और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को जारी रखना इस बात का संकेत है कि वह जानबूझकर युद्ध जैसी स्थिति में भी सामान्यता का दिखावा कर रहा है ताकि किसी भी तरह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को दोषी ठहराया जा सके। किंतु भारत की परिपक्वता, संयम और जिम्मेदारीपूर्ण आचरण ने स्पष्ट कर दिया कि शांति उसकी प्राथमिकता है, किन्तु राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

भारतीय सेना और सरकार की ओर से दिया गया जवाब इस दिशा में न केवल रणनीतिक दृष्टि से सटीक था, बल्कि इसका वैश्विक संकेत भी स्पष्ट था, भारत अब आतंकी गतिविधियों को सिर्फ सहन नहीं करेगा, बल्कि निर्णायक कार्रवाई करेगा। जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया ऑपरेशन 'सिंदूर' इसका एक उदाहरण है जिसमें आतंकियों को घुसपैठ करते हुए मार गिराया गया और यह सिद्ध हो गया कि पाकिस्तान अभी भी भारत में अशांति फैलाने के लिए आतंकियों का इस्तेमाल कर रहा है।

इस पूरी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। वैश्विक संगठन और शांति समर्थक राष्ट्रों को केवल शांति की अपील तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें पाकिस्तान जैसे देशों की कारगुजारियों को देखकर कठोर कदम उठाने चाहिए। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के इस नए चरण में धार्मिक स्थलों पर गोलाबारी की घटनाएं इस ओर संकेत करती हैं कि पाकिस्तान की रणनीति अब सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की हो सकती है ताकि भारत में आंतरिक अस्थिरता फैलाई जा सके। लेकिन भारत की जनता, प्रशासन और सुरक्षा तंत्र इन चालों को समझ चुके हैं और पूरे एकजुटता के साथ खड़े हैं।

भारत की प्रतिक्रिया न केवल सैन्य दृष्टिकोण से प्रभावशाली रही, बल्कि यह नैतिक धरातल पर भी दृढ़ रही। पाकिस्तान द्वारा बार-बार अस्वीकार करने के बावजूद, भारत ने ठोस सबूतों और कार्रवाई से यह सिद्ध किया कि सीमापार से आतंकवाद को समर्थन मिल रहा है। पाकिस्तान की सेना और सरकार के बीच के संबंध और आईएसआई की भूमिका, इन घटनाओं को और अधिक संदिग्ध बनाती है। ऐसे में केवल सैन्य प्रतिक्रिया से ही समाधान नहीं निकल सकता, बल्कि आर्थिक, कूटनीतिक और वैश्विक स्तर पर समन्वय आवश्यक है।

इस स्थिति में एक और महत्वपूर्ण पक्ष है- पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था। वर्तमान समय में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति अत्यंत संकटग्रस्त है। कर्ज के बोझ से दबा यह देश IMF से राहत पैकेज की प्रतीक्षा कर रहा है और यदि वैश्विक बिरादरी यह समझती है कि आतंक फैलाने वाले देश को किसी प्रकार की आर्थिक सहायता देना एक प्रकार से आतंकवाद को पोषण देना है, तो उसे इस दिशा में ठोस निर्णय लेना चाहिए। भारत का यह रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि जो देश आतंक को समर्थन देता है, उसे किसी भी प्रकार की राहत नहीं मिलनी चाहिए।

आतंकियों के खिलाफ चलाए गए हालिया अभियानों ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब 'रक्षात्मक' मुद्रा में नहीं है, बल्कि 'प्रतिक्रिया' से आगे बढ़कर 'प्रत्युत्तर' की नीति पर काम कर रहा है। यह नीति केवल भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह देश की सामूहिक इच्छाशक्ति, लोकतंत्र में विश्वास और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

यहां यह भी जरूरी है कि भारत अपने वैश्विक सहयोगियों के साथ मिलकर इस विषय को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाए और संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य संगठनों में पाकिस्तान की करतूतों को उजागर करे। केवल निंदा प्रस्ताव या वार्ताएं अब पर्याप्त नहीं हैं, जब तक कि इन शब्दों के साथ कार्रवाई न हो। पाकिस्तान के लिए यह आवश्यक हो गया है कि या तो वह अपनी नीति बदले या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ने के लिए तैयार रहे। आतंकवाद की आड़ में मासूमों को ढाल बनाना, धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना, और अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ाना, ये तीन ऐसे आरोप हैं जिन पर केवल निंदा नहीं, बल्कि निर्णायक दंड होना चाहिए। दुनिया को यह समझना होगा कि आतंकवाद केवल एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट है और इसका कोई भी पक्षपातपूर्ण समाधान नहीं हो सकता।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि पाकिस्तान की रणनीति अब पुरानी हो चुकी है और दुनिया उसे पहचान चुकी है। अब समय आ गया है कि विश्व समुदाय भारत के संयम, बलिदान और समर्पण को समझते हुए उस देश के साथ खड़ा हो जो शांति चाहता है, न कि उस देश के साथ जो आतंक को अपनी नीति मानता है। पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश मिल चुका है कि भारत अब केवल कूटनीति की भाषा नहीं, बल्कि आवश्यक होने पर कठोर प्रतिकार की भाषा भी जानता है।

आंदोलनकारी पत्रकारिता का परचम थे के. विक्रम राव

स्मृति शेष

गौरव अवस्थी

क्या, के. विक्रम राव नहीं रहे!! अभी कल ही तो उन्होंने व्हाट्सएप पर अपना आलेख भेजा था। कल ही क्यों? उनके आलेख नियमित आते ही रहते थे। खास मुद्दों पर। खास परिस्थितियों पर। पत्रकारिता के इतिहास पर और अपनी आपबीती पर भी। उनके लेख इतिहास और भूगोल बताते थे। नीति और सिद्धांत के मार्गदर्शक दस्तावेज होते थे। पत्रकारिता की वह चलती फिरती पाठशाला थे। अरे! अरे!! मैं भी निरा बेवकूफ पाठशाला नहीं, विश्वविद्यालय थे। हम जैसे रिटायर हो चुके पत्रकारों के लिए भी वह प्रेरणा थे। इस मायने में भी कि कैसे आखिरी क्षण तक सदाचारिता के साथ सक्रिय बने रहा जाए..।

कहने को, वह इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (IFWJ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे लेकिन पद से वह बहुत बड़े थे। अनुभव में, इंसानियत में और अपने से छोटों को प्रोत्साहित करने में भी। मेरा उनसे कभी प्रत्यक्ष परिचय नहीं हुआ। मिलना-मिलाना भी कभी नहीं हो पाया पर ऐसा भी नहीं कह सकते कि उनसे मेरा सघन परिचय नहीं। उनके 6 दशक पुराने सक्रिय पत्रकारीय इतिहास से परिचय जरूर था। उनके द्वारा भेजे गए लेख हमें उनसे रोज़ परिचित कराते थे। उनकी लेखनी, उनकी याददाश्त और उनकी रचनात्मक आंदोलनकारिता जबरदस्त थी। और यही उनसे मेरा परिचय प्रगाढ़ बनाता जा रहा था।

मैं व्यक्तिगत रूप से उनका मुरीद था। आप सोच रहे होंगे, मिलने पर तो कोई बनता नहीं। बिना मिले भी ऐसा कैसे हो सकता है? इसका एक कारण हमारी अपनी पत्रकारिता के जीवन का वह पन्ना है जो कभी धूमिल नहीं होने देंगे। जीवन के साथ भी-जीवन के बाद भी। वह राष्ट्रीय स्तर के पत्रकार और हम जिला स्तर के कथित ब्यूरो चीफ! 15 साल पहले का एक वाकया हमें तो याद ही है। आज उनके न रहने पर यह वाकया आपकी यादों की पोटली में भी दर्ज करने को मन उद्यत है।

28 साल हम हिंदुस्तान में अपनी सेवा देकर पिछले साल फरवरी में रिटायर हुए। 26 साल हिंदुस्तान में रायबरेली में ही सेवाएं दीं। कोई 15 साल पुरानी बात है। तब नवीन जोशी जी स्थानीय संपादक थे। खबर थी पूर्व मंत्री (अब स्मृतिशेष) दल बहादुर कोरी ने विधायक रहते हुए दसवीं की परीक्षा अच्छे नंबरों से पास की। यह खबर, फ्रंट पेज पर बॉक्स आइटम में तीन कॉलम में बाइलाइन छपी। पत्रकारों के लिए बाइलाइन खबर एक खास रिवॉर्ड है। खाना मिले ना मिले बाइलाइन लाइन खबर जरुर मिले। लखनऊ एडिशन में भी इस खबर को हूबहू जगह मिली।

फ्रंट पेज पर बाइलाइन खबर को लेकर मन ही मन लड्डू फूट ही रहे थे के सुबह 8 बजे एक unknown नंबर से कॉल आई। कॉल रिसीव करते ही आवाज गूंजी- गौरव, मैं के विक्रम राव बोल रहा हूं..एक अच्छी खबर के लिए तुम्हें बधाई, हमने नवीन से तुम्हारा नंबर लिया। उनके 'नवीन' हमारे तब भी आदरणीय थे और आज भी। उनसे पत्रकारिता के जरूरी टिप्स समय-समय पर हमें ही क्यों हिंदुस्तान में कार्यरत सभी पत्रकारों को समय-समय पर मिलते ही रहे। तब संपादक सिखाते थे और अब केवल टोकते। के विक्रम राव जी का नाम ही काफी था। हमने फोन पर ही प्रणाम किया और आगे भी आशीर्वाद बनाए रखने की कामना-प्रार्थना की। हमारे व्यक्तिगत और हमारी पत्रकारिता के जीवन में वह दिन यादगार था, है और रहेगा भी। हमने तुरंत नंबर सेव किया। वह दिन और आज का दिन, जब-कब बात भी होती रही। उनसे मिलने का मन अक्षर करता ही रहता था पर व्यस्तता ने यह साध पूरी नहीं होने दी। वैसे व्हाट्सएप उनसे रोज मिलने का जरिया था ही। ज्यादा उनकी तरफ से और कभी-कभार मेरी।

आज, फेसबुक पर किसी की पोस्ट देखकर सहसा विश्वास ही नहीं हुआ। अभी कल ही उन्होने एक लेख भेजा था। सीएम योगी से मुलाकात का प्रसंग भी एक दिन पहले साझा किया था। वह ऐसे पत्रकार थे, जिन्होने जेल में भी दिन गुजारे। यातनाएं भी सहीं। जीवन के आखिरी क्षण तक सक्रिय रहते हुए जीवन को अलविदा भी कह दिया, जैसे कभी आपातकाल में संस्थागत पत्रकारिता को कहा था..।

पत्रकारिता के ऐसे अप्रतिम पुरोधा को कोटि-कोटि नमन। ईश्वर उन्हें अपनी चरण-शरण में लेंगे ही, हमारी प्रार्थना तो बस औपचारिकता ही होगी।

शक्ति, संयम और सूझबूझ ही दिलाएगी जीत

भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है,जिसने एक परमाणु शक्ति संपन्न देश पर कार्रवाई की है। आज भारत आतंकवाद के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता से विश्व मंच पर आदर पा रहा है। दुनिया के तमाम देशों ने भारत का न सिर्फ साथ दिया, बल्कि पाकिस्तान को लताड़ भी लगाई। पाकिस्तान की सेना और उसके राजनीतिक प्रतिष्ठान की बदनीयत दुनिया के सामने आ चुकी है। आर्थिक प्रतिबंध, आयात -निर्यात प्रतिबंध, सैन्य कार्रवाई, सिंधु जल समझौता तोड़कर, पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से निकालकर,पांच एयरबेस नष्ट कर भारत की सरकार ने अपने इरादे जाहिर कर दिए। पाकिस्तान के मंत्रियों, सांसदों की परमाणु धमकियों के बाद भी भारत ने संयम रखकर अपने लक्ष्य हासिल किए। इसके साथ ही इस क्षेत्र को युद्ध में झोंकने से भी बचाया। अंतिम समय तक निरंतर संवाद बनाए रखते हुए भारत की सरकार ने अपार सूझबूझ का परिचय दिया।

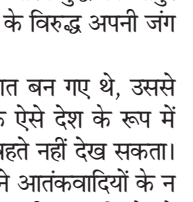

सामयिक

प्रो.संजय द्विवेदी

लेखक भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक हैं।

भारतीय सैन्य शक्ति, राजनीतिक नेतृत्व के शक्ति, संयम और सूझबूझ से बहुत कम समय में भारत ने वह हासिल कर लिया,जिस पर समूचा भारत मुस्करा रहा है। पहलगाम हमले से पैदा हुई बेबसी, आर्तनाद से मर्माहत हुए राष्ट्र ने जवाबी कार्रवाई से राहत की सांस ली है। अब जबकि युद्ध विराम हो चुका है तो संतोष करना चाहिए कि भारत युद्ध को आतुर देश नहीं है, बल्कि हम आतंकवाद के विरुद्ध अपनी जंग के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पिछले कुछ दिनों में जैसे हालात बन गए थे, उससे साफ लग रहा कि अब भारत एक ऐसे देश के रूप में उभरा है,जो अपने लोगों का खून बहते नहीं देख सकता। भारतीय बलों की सटीक कार्रवाई ने आतंकवादियों के न सिर्फ ठिकाने उड़ा दिए बल्कि सौ के करीब आतंकियों को समाप्त कर दिया है। भारत का यह संकल्प बहुत प्रखर है और दूरगामी है, जिसमें यह कहा गया है कि भविष्य में होने वाली हर आतंकी गतिविधि को युद्ध माना जाएगा।

विश्व मंच पर आतंक के विरुद्ध भारत

भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है ,जिसने एक परमाणु शक्ति संपन्न देश पर कार्रवाई की है। आज भारत आतंकवाद के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता से विश्व मंच पर आदर पा रहा है। दुनिया के तमाम देशों ने भारत का न सिर्फ साथ दिया, बल्कि पाकिस्तान को लताड़ भी लगाई। पाकिस्तान की सेना और उसके राजनीतिक प्रतिष्ठान की बदनीयत दुनिया के सामने आ चुकी है। आर्थिक प्रतिबंध, आयात -निर्यात प्रतिबंध, सैन्य कार्रवाई, सिंधु जल समझौता तोड़कर, पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से निकालकर ,पांच एयरबेस नष्ट कर भारत की सरकार ने अपने इरादे जाहिर कर दिए। पाकिस्तान के मंत्रियों, सांसदों की परमाणु धमकियों के बाद भी भारत ने संयम रखकर अपने लक्ष्य हासिल किए। इसके साथ ही इस क्षेत्र को युद्ध में झोंकने से भी बचाया। अंतिम समय तक निरंतर संवाद बनाए रखते हुए भारत की सरकार ने अपार सूझबूझ का परिचय दिया।

चार दिनों में घुटनों पर पाकिस्तान

पाकिस्तान ने सिर्फ चार दिनों में घुटनों पर आ गया बल्कि उसने बातचीत के तमाम चैनल खोले। आतंकवाद के विरुद्ध भारतीय प्रतिबद्धता का प्रकटीकरण तो हुआ है लेकिन पाकिस्तान भरोसे के लायक नहीं है। पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व और फौज के बीच बहुत गहरी खाइयां हैं। सच तो यह है कि पाकिस्तान सत्ता तंत्र को यह भरोसा नहीं था कि भारत आपरेशन सिंदूर जैसा कदम उठाकर कार्रवाई करेगा।

युद्धोन्माद नहीं संयम

भारत की सरकार ने संवाद,संयम और प्रतिकार तीनों मोर्चे पर एक साथ काम किया। पाकिस्तानी नागरिकों के विरुद्ध नहीं, आतंकवाद के विरुद्ध अपनी प्रतिबद्धता का साफ इजहार किया। यह जीत इसलिए साधारण नहीं है। यह बड़ी कामयाबी है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते रहे हैं कि 'यह युद्ध का समय नहीं है।' यह संयम भी भारत को दुनिया में सम्मान दिलाता है। भारत सरकार ने टीवी चैनलों को भी संयम बरतने की सलाहें दीं। सेना आज भी हाई अलर्ट पर है। पुंछ, राजौरी में काफी नुकसान हुआ, यह भी सामने है। पाकिस्तान को एक अवसर और राहत जरूर मिली है। अपने बदहाल आर्थिक हालात से जूझ रहे पाकिस्तान को खुद को संभालना है। आतंकवाद की नर्सरी बन चुके देश को सबक सिखाना जरूरी है। एक अराजक पाकिस्तान दुनिया के लिए खतरा बन चुका है। इसलिए भारत की इस चेतावनी को बहुत खास माना जाना चाहिए कि किसी भी उकसावे, आतंकी कार्रवाई को युद्ध ही माना जाएगा।

पाकिस्तान का बिखराव ही विकल्प

पाकिस्तान का होना सदैव का संकट है। इन टोटकों से वह सुधर जाएगा ऐसा मानना कठिन है। बावजूद इसके तात्कालिक तौर पर राहत जरूर है। किंतु अंततः पाकिस्तान का बिखराव ही संकट का समाधान है। पखतून, बलूच, सिंध की चुनौती पाकिस्तान के सामने ही हैं। इसके दो लक्ष्य होने चाहिए एक तो उसे दुनिया से अलग-थलग करना और दूसरा उन्हें ऐसी चोट देना कि पाकिस्तान सेना दुबारा हिमाकत न कर सके। फिलहाल ऐसा होता नहीं दिखता। पाकिस्तान आज भी एक अविश्वसनीय पड़ोसी और आतंकी संगठनों को पालने वाला देश है। बना रहेगा। हाल-फिलहाल तो पाकिस्तान की राजनीतिक शक्तियों ने बैकडोर कूटनीति से अमरीका और सऊदी अरब को आगे कर राहत तो प्राप्त कर ली है। भारत की सुरक्षा चुनौतियां आज भी बहुत कठिन हैं। थोड़ा और इंतजार कीजिए कि पाकिस्तान का रवैया क्या होता है। इतिहास को देखते हुए पाकिस्तान पर बहुत भरोसा करना ठीक नहीं। पाकिस्तान की सैन्य ताकत को ध्वस्त किए बिना शान्ति का सपना बहुत दूर की कौड़ी है।

महिला की मौत, पुलिस कर रही जांच

बैतूल। बैतूल के कोसमी इलाके में 32 वर्षीय मजदूर महिला सुनीता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार रात को सुनीता अपने पति रूपेश और दो बच्चों के साथ बिस्तुर गांव से बाइक पर लौट रही थी। रास्ते में वह बाइक से गिर गई। इस दौरान उसके सिर के पिछले हिस्से में चोट लगी। रूपेश पत्नी को अस्पताल न ले जाकर घर ले गया। वहां उसने खुद ही इलाज करने का प्रयास किया। रविवार को सुनीता की मौत हो गई। रूपेश बिना किसी को सूचना दिए शव को बिस्तुर ले जाने की तैयारी कर रहा था। एक पड़ोसी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्ट्म के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतका के परिजनों का आरोप है कि बाइक से गिरने के बाद रूपेश ने पत्नी से विवाद किया होगा। उन्होंने कहा कि मौत के समय सुनीता की आंखें और मुंह खुले थे, जो संदेह पैदा करता है। जांच अधिकारी जगदीश ठाकुर ने बताया कि मृतिका के सिर के पिछले हिस्से में चोट लगी थी। शायद वह हादसे की वजह से हो। लेकिन उसके पति का उसका इलाज के लिए अस्पताल न लाना संदेह पैदा कर रहा है। उसकी मृत्यु का वास्तविक कारण जानने पीएम कराया गया।

सीमेंट व्यवसायी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बैतूल। शहर के एक सीमेंट व्यवसायी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रसोइए की सूचना पर पुलिस ने घर पहुंचकर शव को नीचे उतारा। टीआई अरविंद कुमरे ने बताया कि शव उतरवाकर पीएम के लिए भेजा गया है। घटना का अभी तक कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। घटना के समय सीमेंट व्यवसायी दीपक बत्रा घर में अकेला था, मृतक की पत्नी और बच्चे रिश्तेदार की शादी में शामिल होने बीना गए हुए थे। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 12 बजे दीपक का रसोइया जब घर पहुंचा, तो देखा घर खुला था और दीपक फांसी पर लटका था। उसने तुरंत पड़ोसियों और परिजनों को सूचित किया। गंज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमार्ट्म के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

आईसीएम कंपनी के मजदूर ने किया विरोध प्रदर्शन

विरोध प्रदर्शन कर ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने की मांग

बैतूल/मुलताई। ग्राम नरखेड के पास स्थित आईसीएम इंजीनियरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड नरखेड मुलताई के मजदूरों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर के विरोध प्रदर्शन कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निश्चित किया है। मजदूरों ने अपनी मांगों के संबंध में बताया कि कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं नहीं मिलती।

मजदूरों ने मांग की है कि कर्मचारियों को 26 दिन की ड्यूटी दी जावे, छुट्टी के दिनों में भी उनको वेतन दिया जाए। कंपनी में किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, तो एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए। इलाज की व्यवस्था की जाए। गरीब वर्गो को आवश्यकता पडने पर मजदूरी तुरंत दी जाए या एडवांस के रूप में मदद की जाए। जितने कर्मचारी कंपनी में काम कर रहे हैं, उन सभी कर्मचारियों को प्रति व्यक्ति 200 की बढ़ोतरी की जाए, ताकि महंगाई के समय में उनका परिवार का गुजर बसर हो सके। साथ ही जितने कर्मचारी काम कर रहे, सभी की आईडी बनाई जाए। पीएफ ईएसआई का पैसा और रसीद दी जाए। मजदूरों को उसका लाभ पूरा दिया जाए। हर माह कर्मचारियों को पेमेंट स्लिप दी जाए। मजदूरों को खाते में पेमेंट दी जाए एवं ठेकेदारी पद्धति को निरस्त किया जावे। एक-एक हफ्ते में दो छुट्टियां देना बंद करे। खाना खाने के लिए कमरे की व्यवस्था एवं गाडियां खड़ी करने के लिए व्यवस्था की जाये, इन मांगों को लेकर 200 मजदूरों ने 2 दिन अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाना तय किया गया।

सिकल सेल मरीजों के लिए दो दिवसीय टीकाकरण कार्यक्रम

बैतूल। जिला चिकित्सालय में नेशनल सिकल सेल कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 20 वर्ष के चिन्हित सिकल सेल रोगियों के लिए 14 और 15 मई 2025 को विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शहरी क्षेत्र के मरीजों का टीकाकरण जिला चिकित्सालय के एम.सी.एच. भवन में स्थित टीकाकरण कक्ष में किया जाएगा। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों का टीकाकरण उनके विकासखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर होगा। सिकल सेल कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ अंकिता सिते ने बताया कि कैंप को लेकर सीएमएचओ डॉ राजेश परिहार ने आदेश जारी किया है कि सिकल सेल मरीजों के टीकाकरण के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाए और सभी मरीजों का टीकाकरण किया जाए। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन डॉ जगदीश घोरे शिविर का आयोजन कर रहे है। डॉ सिते ने बताया कि शिविर में सिकल सेल रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण और रक्त परीक्षण भी किया जाएगा। मरीजों को उनके स्वास्थ्य की स्थिति के आधार पर डिसएबिलिटी प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। टीकाकरण के बाद मरीजों को फॉलोअप कार्ड जारी किया जाएगा।सभी मरीजों की जानकारी सिकल सेल मोबाइल ऐप में भी दर्ज की जाएगी। मरीजों के परिजनों को निर्देश दिए है कि वे शिविर में सिकलसेल रिपोर्ट (एच.पी.एल.सी.) की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति,समग्र आईडी की छायाप्रति, पासपोर्ट साइज फोटो जरूर लेकर आए। शिविर में उपस्थित होने वाले मरीजों से अपील की गई है कि वे अपने विकासखण्ड के चिकित्सा अधिकारी या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क कर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। प्रयास किया जा रहा है सिकल सेल मरीजों की 100 प्रतिशत उपस्थिति रहे ताकि अधिक से अधिक सिकल सेल रोगियों को इस लाभकारी कार्यक्रम का लाभ मिल सके।

बार-बार ड्राइंग- डिजाइन बदलने से हुई देरी, अब फिर टैंडर रिकॉल की तैयारी

दस साल में दोगुना हुई गंज मंडी कॉम्प्लेक्स की लागत

संजय द्विवेदी, बैतूल। बैतूलगंज मंडी में बनने वाला बहुमंजिला कांप्लेक्स का निर्माण 10 साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन यह बहुमंजिला काम्प्लेक्स अभी भी अधूरा ही है। जानकारों द्वारा इसके पीछे मुख्य कारण, पिछले 10 वर्षों में इस कॉम्प्लेक्स की ड्राइंग व डिजाइन चार बार बदली जाना बताया जा रहा है। जब 10 वर्ष पूर्व मंडी कॉम्प्लेक्स निर्माण की योजना बनाई थी, तब इसकी लागत करीब साढ़े नौ करोड़ रूपये थी, जो अब बढकर 17-18 करोड़ तक पहुंच गई है। नपा सीएमओ सतीश मटसेनिया ने बताया कि परिवर्तित ड्राइंग डिजाइन बनाकर राज्य शासन को प्रस्ताव भेज दिया है और स्वीकृति मिलते ही टैंडर लगा दिया जायेगा। यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि इस काम्प्लेक्स के लिए नपा को चौथी बार ड्राइंग डिजाइन बदलना पड़ा है। कांप्लेक्स की बार-बार ड्राइंग डिजाइन बदलने से पुराने ठेकेदार ने बीच में ही काम छोड़ दिया था। इसके बाद नगरपालिका टेंडर रिकॉल करने की तैयारी कर रही है।

विवादों के कारण पूरा नहीं हो पाया काम- नपा ने गंज मंडी में फुटकर व्यापारियों की सुविधा के लिए करीब दस वर्ष पहले बहुमंजिला मल्टीकाम्प्लेक्स बनाने का निर्णय लिया था, लेकिन यह काम्प्लेक्स कछुआ चाल और विवादों के कारण पूरा नहीं हो सका है। हालात यह है कि कई दुकानें बन तो गई है, लेकिन काम पूरा नहीं होने के कारण इसे व्यवसायियों को हैंडओवर नहीं किया जा रहा है। पूर्व में 60 से अधिक व्यवसायियों से काम्प्लेक्स में दुकान के लिए नपा ने एक मुश्त राशि भी जमा करा ली। इसके बावजूद उन्हें दुकानें हैंडओवर नहीं की गई। यहां पर पूर्व में दुकान लगाने वाले मंडी परिसर के आसपास गुमठियों में ही अपना जीवोपर्जन करने को मजबूर हैं।

दस वर्ष में बढ़ गई 8 करोड़ की राशि- करीब दस वर्ष पहले कॉम्प्लेक्स के लिए लगभग 9.50 करोड़ की लागत आना था, लेकिन ड्राइंग डिजाइन बदलने के बाद स्थिति काफी बदल गई। दस वर्ष बाद जब नई ड्राइंग डिजाइन नपा ने राज्य शासन को काम्प्लेक्स बनाने के लिए डीपीआर का प्रस्ताव भेजा, तो इसकी लागत 18 करोड़ 40 लाख रुपए हो गई है। इस स्थिति में 8 करोड़ से अधिक का फटका नपा को बैठ रहा है। हालांकि कुछ दिनों में डीपीआर राज्य शासन से स्वीकृत होते ही नपा टेंडर रिकाल करेगी, लेकिन इसके एवज में नपा को स्वयं के खजाने से 8 करोड़ रुपए का फटका वहन करना पडेगा।

नपा यहां करायेगी यह सारे काम

नगरपालिका द्वारा इस कॉम्प्लेक्स में पेविंग ब्लाक, आरसीसी अंडरग्राउंड ड्रेनेज, सीसी रोड, सुलभ कॉम्प्लेक्स, सेप्टिक टैंक, स्काय लाइट, बोरवेल, इलेक्ट्रीसिटी काम, फायर सिस्टम, सुपर स्टेक्रर, लिफ्ट, प्लिंथ को मजबूत करने में कुल 15 करोड़ 59 लाख से अधिक की राशि खर्च करेगी। इस पर 18 प्रतिशत जीएसटी जोड़े, तो यह राशि 18 करोड़ 40 लाख में पहुंच जाएगी। जानकारों का मानना है कि कॉम्प्लेक्स निर्माण में चार बार ड्राइंग डिजाइन बदलना, नपा के लिए घाटे का सौदा साबित हो गया। यदि जिस समय कांप्लेक्स निर्माण शुरू हुआ था, उसी समय नपा ठेकेदार से तेजी से काम कराती, तो शायद आज इस स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

इनका कहना है-

ड्राइंग, डिजाइन के बार-बार बदलने के कारण गंज मंडी कॉम्प्लेक्स में बाधा आई है। बजट बढने के कारण अब 18 करोड़ 40 लाख की लागत से यह निर्माण पूरा होगा। नई ड्राइंग, डिजाइन की डीपीआर बनाकर राज्य शासन को भेज दी गई है। वहां से अनुमति मिलते ही टेंडर रिकॉल कर दिए जाएंगे।

-सतीश मटसेनिया,
सीएमओ, नगरपालिका बैतूल

पंचशील बुद्ध विहार सदर में मनाई त्रिगुणी बुद्ध जयंती

धम्म का महत्व और जीवन शैली पर हुई विशेष चर्चा

बैतूल। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया एवं पंचशील बुद्ध विहार प्रबंधन समिति, सदर बैतूल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार 12 मई को त्रिगुणी बुद्ध जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूज्य भंते दीपांकर द्वारा भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और धम्म देशना से हुई। भंते दीपांकर जी ने धम्म के महत्व और जीवन शैली की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की, जिससे वहां उपस्थित श्रद्धालुओं को धम्म के वास्तविक अर्थ और जीवन में इसके अनुपालन का

मार्गदर्शन मिला। इस अवसर पर नरेंद्र नाथ पाटिल और उनके समूह द्वारा बुद्ध और भीमराव अंबेडकर के सम्मान में भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किए गए, जिसने माहौल को और अधिक पावन और प्रेरणादायक बना दिया। इसी क्रम में, लेखक भीमराव झरबडे द्वारा लिखी गई पुस्तक मदनी की महक का विमोचन भी किया गया। समारोह में दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया, बैतूल के जिला अध्यक्ष संदीप पाटिल, प्रदेश उपाध्यक्ष रामशंकर आंवलेकर, जिला महासचिव कमलेश उबनारे, आयु.सी.एस. ऊबनारे, जिला उपाध्यक्ष धर्मदास दवंडे, कोषाध्यक्ष शिवकिशोर पाटिल, मनोज गुजरे, जिला सचिव दिनेश मालवीय और पंचशील बुद्ध विहार समिति के अध्यक्ष आयु. जादोराव सूर्यवंशी, पूर्व अध्यक्ष धनराव चंदेलकर, सचिव श्यामराव नागले, कोषाध्यक्ष विनोद दवंडे, एफ.एल. सरणकर तथा महिला विंग से आयु. ऊषा उबनारे, आयु. सुरभि पाटिल, आयु. नीलम उबनारे, कंचन भूमरकर, सुमन पाटिल और दीपमाला दवंडे उपस्थित रहीं। आयोजन में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं और धम्म के वास्तविक स्वरूप को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया, जिससे समाज में नैतिकता और करुणा का वातावरण सृजित हो सके।

उत्कृष्ट विद्यालय के एनसीसी कैडेट सार्थक का सीडब्लूएस में चयन

बटालियन में कमान अधिकारी ने चैक देकर किया सम्मानित

बैतूल। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट सार्थक मालवी का चयन सीडब्लूएस यानी कैडेट वेलफेयर सोसायटी द्वारा प्रदत्त स्कारशिप के लिए

हुआ। एनसीसी अधिकारी ओम द्विवेदी ने बताया कि एनसीसी अंतर्गत कैडेट वेलफेयर सोसायटी द्वारा प्रतिवर्ष प्रतिभाशाली कैडेट्स को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर स्कारशिप प्रदान की जाती है। इस साल ग्रुप हेडक्वार्टर द्वारा इस स्कालरशिप के लिए चार कैडेटो का चयन किया गया, जिसमे उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल के द्वितीय वर्ष के कैडेट सार्थक मालवी भी शामिल है। बीते शनिवार 13 एमपी बटालियन नर्मदापुरम के कार्यालय में कमान अधिकारी ने कैडेट सार्थक मालवी को स्कालरशिप राशि 6 हजार रुपये का चैक देकर कर सम्मानित किया। इस मौके पर बटालियन के सूबेदार मेजर जीबी सिंह, हवलदार पूरन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। ज्ञात हो कि एनसीसी की कैडेट वेलफेयर सोसायटी जहां वर्षभर आयोजित गतिविधियों व परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर स्कालर देती है, वहीं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग व असामयिक दुर्घटना से पीडित कैडेट्स को आर्थिक सहायता मुहैया कराती है। कैडेट सार्थक की इस उपलब्धि पर संस्था प्राचार्य सत्येंद्र उदयपुरे, पूर्व वरिष्ठ एनसीसी अधिकारी एम एस शर्मा, स्टाफ, परिवार जनों व एनसीसी के कैडेट्स द्वारा बधाइयाँ दी।

भालू ने किसान पर किया हमला, मौत

बैतूल। मुलताई के प्रभात पट्टन ब्लॉक के दतोरा गांव में एक किसान की भालू के हमले से मौत हो गई। मृतक किसान की पहचान 41 वर्षीय गोपाल के रूप में हुई है।

वह बीती रविवार के रात अपने खेत पर गया था। उसका खेत गांव के करीब जंगल से सटा हुआ है। गोपाल को सुबह खेत पर धनिया लगाना था, इसलिए वह रात से ही खेत पर चला गया था वह अपने खेत पर

बने मंडे पर सो रहा था। रात करीब 2 बजे लघुशंका के लिए वह मंडे से नीचे उतरा। इसी दौरान नाले से निकलकर भालू ने उस पर हमला कर दिया। गोपाल की चीख सुनकर पड़ोस के खेत के लोग मौके पर पहुंचे। उसे पहले गांव लाया गया, जहां से मुलताई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया, फिर जिला अस्पताल बैतूल भेजा गया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई गोकुल ने बताया कि भालू ने गोपाल को बुरी तरह जख्मी कर दिया था। वन विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया है। वन परिक्षेत्र अधिकारी नितिन पवार ने बताया कि घटना का मौका मुआयना करके आर्थिक सहायता के बतौर 10000 की राशि मृतक के परिजनों को अंत्येष्टि के लिए दी गई है, इसके अलावा वन विभाग द्वारा वन्य प्राणी से जनहानि होने पर बतौर मुआवजा 8 लाख की राशि का प्रकरण बनाकर शासन को भेजा जा रहा है। मृतक के चार बच्चे हैं। उसकी पत्नी की एक महीने पहले ही बीमारी से मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

डेढ़ माह बंद रहेगा परमंडल जोड़ से मुलताई एक किलोमीटर मार्ग

ठेकेदार पर मेहरबानी जनता पर भारी, समयावधि पूर्ण होने के 11 माह बाद हुआ ठेका निरस्त

बैतूल/ मुलताई। परमंडल जोड़ से मुलताई की ओर एक किलोमीटर रोड निर्माण में हो रही लेटलतीफी से परेशान नागरिकों ने तीन दिनों से परमंडल जोड़ से मुलताई एक किलोमीटर मार्ग को बंद कर रखा है, जिसके चलते आवागमन बंद है और नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, किन्तु लोक निर्माण विभाग अब इस मार्ग को लगभग डेढ माह के लिए बंद करने जा रहा है। लोक निर्माण विभाग ने ठेकेदार राही कंस्ट्रक्शन नागपुर का ठेका निरस्त कर नई टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। अब परमंडल जोड़ से एक किलोमीटर मार्ग लोक निर्माण विभाग लगभग डेढ़ माह टेंडर प्रक्रिया तक के लिए बंद करने जा रहा है। विभागीय अधिकारी बताते हैं कि नए ठेके की निविदा 15 मई को आमंत्रित की जाएंगी। जब तक नए टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ होकर नया ठेकेदार परमंडल से मुलताई की ओर सडक़ निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं कर देता, तब तक के लिए स्थानीय प्रशासन वैकल्पिक व्यवस्था तलाश रहा है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को पत्र लिखकर मार्ग बंद करने के संबंध में जानकारी देकर मार्गदर्शन मांगा है। लोक निर्माण विभाग के पत्र के आधार पर एसडीएम ने वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था के संबंध में थाना प्रभारी मुलताई को पत्र लिखने की

जानकारी मिली है।

150 लाख रुपए की लागत से बनना था एक किमी मार्ग- लोक निर्माण विभाग ने मुलताई परमंडल जोड से मुलताई की ओर एक किलोमीटर मेंटेनेंस कार्य लागत 150 लाख रुपए का ठेका राही कंस्ट्रक्शन को दिया था, जिसके अंतर्गत मार्ग का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण, डामरीकरण किया जाना था। ठेकेदार द्वारा किए गए अनुबंध के अनुसार यह 21 जून 2024 तक पूर्ण किया जाना था।

वरिष्ठ अधिकारियों की ठेकेदार पर मेहरबानी, जनता पर भारी- उक्त मार्ग मुलताई नगर को बैतूल से जोडने वाला प्रमुख मार्ग है, किंतु इस मार्ग की गंभीरता को जाने बगैर वरिष्ठ अधिकारी मार्ग निर्माण के लिए ठेकेदार को दी गई। समयवधि पूर्ण होने के एक वर्ष बाद भी मौन रहे। इधर अधिकारियों की ठेकेदार पर मेहरबानी के चलते खोदी गई सडक़ जनता के लिए अभिशाप बनते जा रही थी और फिर एक दिन जनता की धैर्य का बांध टूटा और उन्होंने सडक़ बंद कर दी। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग बैतूल के कार्यपालन यंत्री ने 24 जनवरी 2025 को ठेका निरस्त कर नई निविदा प्रक्रिया के लिए आदेश दिए जाने के समाचार मिले थे, किंतु आदेश के पांच माह बाद भी ठेकेदार की कार्य प्रणाली में कोई बदलाव नहीं हुआ। निर्माण में तेजी लाना तो दूर, सडक़ की हालत और बिगाड़ दी गई। अब इसके लिए ठेकेदार दोषी है या अधिकारी, इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त है।

इनका कहना है -

पूर्व ठेकेदार का ठेका निरस्त कर दिया गया है। 15 मई को फिर से निविदा आमंत्रित की जा रही है। जब तक नया ठेकेदार काम पूरा नहीं करता, अधूरे मार्ग को वाहनों के लिए प्रतिबंधित करके वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इस संबंध में हमने एसडीएम को पत्र लिखा है, एसडीएम ने थाना मुलताई को पत्र भेजा है।

- राजेश राय, एसडीओ, लोक निर्माण विभाग मुलताई

जल संरक्षण के संकल्प के साथ ग्राम भडूस में हुआ जल संगोष्ठी का आयोजन

घर का पानी घर में, खेत का पानी खेत में के सिद्धांत को अपनाने पर दिया बल

बैतूल। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, बैतूल के तत्वावधान में ग्राम भडूस के माता मंदिर प्रांगण में जल गंगा संवर्धन महाअभियान के तहत जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के परामर्शदाता सुनील पवार, इंद्रदेव कावडक़र, भूपेंद्र पवार, स्व सहायता समूह प्रमुख तुलसी मालवीय, ग्राम पंचायत सचिव कृष्णकुमार देवासे, सहसचिव राजेश पवार, प्रियंका तायवाड़े, मिताली चौधरी, प्रियंका पवार, कृष्णासिंह, महेंद्र पवार सहित सरपंच प्रतिनिधि और पंचगण सहित स्व सहायता समूह की बहनें एवं लगभग 50 ग्रामीण शामिल हुए।

संगोष्ठी का शुभारंभ मां भगवती दुर्गा के पूजन के साथ हुआ। इसके बाद जन अभियान परिषद के परामर्शदाता सुनील पवार ने जल संरक्षण के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत भडूस में तालाब, नदी, नाले जैसे जलस्रोतों के संरक्षण, साफ-सफाई, गहरीकरण और वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। साथ ही, घर का पानी घर में, खेत का पानी खेत में के सिद्धांत को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने ग्रामीणों से सुझाव भी प्राप्त किए और जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत पर जोर दिया। संगोष्ठी में निर्णय लिया गया कि प्रति रविवार ग्राम में 2 घंटे का श्रमदान कर तालाब, नदी, नालों, नलकूप आदि जलस्रोतों की सफाई और गहरीकरण का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर भूपेंद्र पवार, इंद्रदेव कावडक़र, तुलसी मालवीय, प्रवीण चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

जल संरक्षण की ली प्रतिज्ञा- कार्यक्रम के अंत में सुनील पवार ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की प्रतिज्ञा दिलाई। ग्राम पंचायत सचिव कृष्णकुमार देवासी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंचायत, सहायता समूह और अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग से ग्राम पंचायत की सीमा में स्थित सभी सार्वजनिक जलस्रोतों का संरक्षण किया जाएगा और पंचायत के सभी रहवासियों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रियंका पवार, मंदा पवार, राकेश मन्नासे, सुनील मालवीय, हुकुमचंद कलभोर, मुन्ना उईके, ज्योति बागवे, संतोष पाटनकर, शोभा पवार, सुनीता पवार, एमएसडब्ल्यू/बीएसडब्ल्यू के छात्र महेंद्र पवार, मिताली चौधरी, रोशनी तायवाड़े, शिवम कोडले, प्रवीण चौधरी सहित अन्य ग्रामीण और भी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन सिंदूर

अनिल ठाकुर

लेखक स्तंभकार हैं।

युद्ध नहीं संकल्प है जिसे अंजाम तक पहुंचाना जरूरी

22 अप्रैल 25 पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में निर्दोष, निशस्त्र पर्यटकों की धर्म पूछ कर निर्मम हत्या, उद्देश्य भारत में धार्मिक उन्माद फैलाना। सरकार ने तुरत फुरत सर्वदलीय बैठक बुलाकर सुरक्षा में हुई चूक को स्वीकार करते हुए समस्त दलों को उचित जवाबी कार्यवाही का समर्थन हांसिल कर रणनीति बनाना शुरू कर दिया। देश वासियों में विश्वास जगाने के लिए प्रधानमंत्री, रक्षा एवं गृह मंत्री ने अपने बयानों में स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस बार आतंकवादियों को ही नहीं आतंकवादी सरगना एवं उनके आकाओं को भी बख्शा नहीं जाएगा। यह संकेत हाफिज सईद, मसूद अजहर जैसे आतंकवादी और आईएसआई जैसी संस्थाओं के लिए था । समस्त देश सांस रोक कर उस घड़ी का इंतजार कर रहा था जो 7 मई की रात पाकिस्तान के पंजाब प्रांत एवं पीओके में आतंकवादी अड्डों को नष्ट कर पूरी हुई। शायद भारत इसके बाद तुरंत कोई अन्य सैन्य कार्यवाही नहीं करता, लेकिन 8 मई रात्रि में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन से हमले किए जाने लगे। भारत के लिए इनका जवाब देना जरूरी था ।

हमारी ओर से सभी हमलों को निष्क्रिय करने के साथ कुछ सैनिक ठिकानों को ध्वस्त कर यह संदेश दे दिया गया कि यदि पाकिस्तान सैन्य कार्यवाही या पारंपरिक युद्ध चाहता है तो हमें यह चुनौती भी स्वीकार्य है । 8 से 10 मई के बीच हमने बहुत संयमित तरीके से पाकिस्तान के किसी नागरिक इलाके को नुकसान पहुंचाए बिना जो भी सैन्य कार्यवाही की उससे पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए। पाकिस्तानी सैन्य प्रमुख जनरल मुनीर का भारत में धार्मिक उन्माद फैलाने वाला स्वप्न भारी नुकसान उठाने के बाद टूट चुका था, अधिक नुकसान से बचने के लिए युद्ध विराम के अतिरिक्त कोई चारा नहीं था। पाकिस्तान की ओर से 9 मई से ही अंतराष्ट्रीय स्तर पर इसके लिए गुहार लगानी शुरू कर दी गई थी। कई स्तर के प्रयासों के बाद अंततः उसे 10 मई को युद्ध विराम कराने में सफलता मिली । 10 मई को दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच 3 बजे अंतिम बातचीत के बाद 5 बजे से युद्ध विराम लागू किया गया। बावजूद इसके पाक अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आया, उसकी ओर से रात्रि, 8 बजे के करीब श्रीनगर एवं कुछ अन्य स्थानों पर ड्रोन से घुसपैठ की गई जिसका माकूल जवाब हमारी सेना ने दिया। अभी तक युद्ध विराम की शर्तों का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन भारत की तरफ से संकेत दिए गए है कि सिंधु जल संधि, वीज़ा, व्यापार, आदि पर लगाई गई रोक यथावत रहेगी। इस बारे में दोनों डीजीएमओ 12 मई को पुनः बातचीत करेंगे, सही स्थिति तभी स्पष्ट होगी।

भारत की आतंकवाद के विरुद्ध इस कार्यवाही का क्या असर होगा अभी इस बारे में बहुत कुछ कहा नहीं जा सकता। लेकिन देश के हित में कुछ बातें स्पष्ट देखने को मिली उसमें सबसे प्रमुख है हमारी मजबूत सैन्य शक्ति के अतिरिक्त तीनों सेनाओं के बीच जो आपसी सामंजस्य देखने को मिला उसके बारे में अधिकांश रिटायर्ड जनरलों का मानना है कि ऐसा पहली बार हुआ है । 65 एवं 71 के युद्ध में भी सामंजस्य की कमी नहीं थी मगर इस बार कुछ अलग था । निश्चित रूप से यह सीएसडी पद कायम करने का परिणाम है । पाक के अंदरूनी आतंकवादी ठिकानों को इतनी तत्परता से ध्वस्त करने की क्षमता का लोहा इजराइल जैसे देशों ने भी माना।

इस युद्ध विराम के बावजूद अभी अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। देश वासियों का एक बहुत बड़े वर्ग में असंतोष है जिनका मानना है कि हमने इसे अधूरा क्यों छोड़ दिया? इस बारे में सेना से रिटायर्ड कुछ जनरलों ने भी नाराजगी जाहिर की है। ये वे जनरल है जिनकी स्पष्ट राय थी कि हमारी सेनाएं पारंपरिक युद्ध के लिए भी सक्षम है । युद्ध विराम की घोषणा के पहले भारत यह बता चुका था कि भविष्य में किसी भी आतंकवादी हमले को युद्ध माना जाएगा। लेकिन कई प्रश्न अभी भी अनुत्तरित है, मसलन पाक की धरती से हाफिज सईद या मसूद अजहर जैसे घोषित आतंकवादियों के भारत विरोधी बयानों को किस श्रेणी में रखा जाएगा? हमारी ओर से उन पर कोई कार्यवाही की जाएगी उस पर पाकिस्तान की सरकार का क्या रुख होगा? आईएसआई जैसी संस्थाओं जो पाकिस्तान की सरकारी एजेंसी है की भूमिका भी संदिग्ध है, इस पर पाक सरकार का रुख जानना भी जरूरी है। ऐसे अनुतरित प्रश्नों का जवाब हमारी ओर की कार्यवाही से ही मिलेगा । इस बार पहलगाम आतंकी हमले के बाद की कार्यवाही 'युद्ध नहीं भारत का आतंकवाद, आतंकवादियों और उनके आकाओं के समूल नष्ट करने का संकल्प था।'

इसे अंजाम तक पहुंचना ही हमारा एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए।

जिद, जुनून एवं जज़्बे से बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले रीवा संभाग के 66 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि जिद, जुनून एवं जज्बे से बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। मध्यप्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले रीवा संभाग के विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया है कि विन्ध्य का भविष्य सुनहरा है और आने वाले दिनों में यह विद्यार्थी अपना योगदान देंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा परिसर के सभागार में माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले रीवा संभाग 66 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आपरेशन निखार की सराहना की

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस उपलब्धि के लिए रीवा संभाग की चर्चा पूरे प्रदेश में हो रही है। उन्होंने प्रतिभाशाली बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा कहा कि संस्कारवान शिक्षा ही सर्वोत्तम है। शिक्षित होकर संस्कारवान बनें और आगे बढ़ते रहें। श्री शुक्ल ने कहा कि जीवन में निराश न हों। सफलतायें एवं असफलतायें मिलती रहती हैं अपने लक्ष्य के लिए हमेशा प्रयासरत रहें। उन्होंने कहा कि इन बच्चों ने जो अपने अनुभव बताये हैं उससे यह सिद्ध होता है कि इन्हें आगे बढ़ने का मंत्र प्राप्त हो गया है। आगे की शिक्षा में इसी लगन और मेहनत से लगे रहे। उन्होंने रीवा संभाग के कमिश्नर श्री बीएस जामोद द्वारा शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए संभाग में प्रारंभ किये गये आपरेशन निखार की प्रशंसा की जिसके सार्थक परिणाम सामने आये हैं। उन्होने कहा कि प्रशासन के साथ-साथ शिक्षा विभाग के शिक्षकों व अन्य अधिकारियों ने रीवा संभाग में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए समन्वित प्रयास किया है जो बधाई के पात्र हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रतिभाशाली बच्चों से अन्य बच्चे भी प्रेरणा लेगें।

सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि विद्यार्थियों में घमण्ड व अतिरेक की भावना न जागृत हो। आत्मविश्वास कायम रहे जीवन में सफलता के लिए विनम्रता, लगन एवं निष्ठा आवश्यक है जो विद्यार्थियों को समग्रता देती है। श्री मिश्र ने कहा कि समाज में इन प्रतिभाओं की आग्रणी भूमिका रहेगी। उन्होंने अपेक्षा की कि प्रतिभावान छात्र अन्य विद्यार्थियों को भी मार्गदर्शन दें और उनको भी आगे बढ़ाने में मददगार हों। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षकों और गुरूजनों के प्रयासों से ही बच्चों ने सफलता प्राप्त की है और विन्ध्य का नाम रोशन किया है जिससे हम सब गौरवांवित महसूस कर रहे हैं।

कमिश्नर रीवा संभाग श्री जामोद ने कहा कि रीवा का इतिहास शिक्षा के क्षेत्र में समृद्धशाली रहा है। इन प्रतिभावान विद्यार्थियों ने इसमें और चार चाँद लगा दिये हैं। उन्होंने कहा कि सम्मान समारोह में सभी को गौरव का अनुभव हो रहा है। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं उनके परिजनों को इस सफलता के लिए बहुत-बहुत बधाई। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के 66 बच्चों ने मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। आप सभी मंजिल पर कायम रहते हुये लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सतत प्रयत्नशील रहें। इससे पूर्व कक्षा 10वीं एवं कक्षा 12वीं में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में सिंगरौली की प्रज्ञा जायसवाल, सतना की प्रियल द्विवेदी, सीधी के दिव्यांशु तिवारी तथा रीवा के अंकुर यादव ने अपने अनुभव बताते हुए सफलता के लिए माता-पिता व गुरूजनों के योगदान का श्रेय दिया। उल्लेखनीय है कि कक्षा 10वीं की प्रदेश की प्रावीण्य सूची में संभाग के 39 तथा कक्षा 12वीं की सूची में संभाग के 27 विद्यार्थियों ने अपना स्थान बनाया है। स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और उनके परिजन उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2025 के उपलक्ष्य में

नर्स सप्ताह के अंतर्गत आयोजित की गई वैज्ञानिक शोध एवं अकादमिक पोस्टर प्रदर्शनी

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में एम्स भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस 2025 के उपलक्ष्य में नर्स सप्ताह समारोह के अंतर्गत एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में नर्सिंग पेशेवरों और छात्रों द्वारा वैज्ञानिक शोध, अकादमिक गैलरी और शैक्षणिक पोस्टर प्रस्तुत किए गए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मरीजों की देखभाल और नर्सिंग प्रथाओं को उन्नत बनाने हेतु नवाचारी विचारों एवं शोध गतिविधियों को साझा करना था। प्रदर्शनी का मूल्यांकन एम्स भोपाल के तीन वरिष्ठ संकाय सदस्यों - प्रो. डॉ. विजेंदर सिंह (मनोरोग विभाग), प्रो. डॉ. अजय हलदर (प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग) और प्रो. डॉ. रेखा लालवानी (शरीर रचना विभाग) द्वारा किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की प्रशंसा की और भविष्य में भी शोध में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, यह प्रदर्शनी नर्सिंग पेशेवरों और छात्रों को एक ऐसा मंच प्रदान करती है, जहां वे अपने अनुसंधान एवं नवाचार को साझा कर सकते हैं। यह पहल न केवल ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देती है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में गुणवत्ता और दक्षता में सुधार की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। मैं आयोजन से जुड़े सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई देता हूं। इस सफल आयोजन में डॉ. लिली पोद्दार, श्री अखिल टी., श्री संदीप एम., सुश्री खुशबू और सुश्री प्रिया जे. का विशेष सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को उज्जैन में उज्जैन नगर के नवनियुक्त मंडल पदाधिकारियों के परिचय एवं स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए कहा की भारतीय जनता पार्टी अपने करोड़ों कार्यकर्ताओं और सदस्यों के समर्पण से विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सतत् प्रयत्नशील है। आप सभी नवनियुक्त पदाधिकारीगण संगठन की सुदृढ़ता और जनसेवा के संकल्प को सदैव सिद्ध करें मेरी मंगलकामनाएं है। इस अवसर पर सांसद श्री अनिज फिरोजिया, प्रदेश के सह कोषाध्यक्ष व विधायक श्री अनिल जैन कलूहेडा, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष व प्रदेश प्रवक्ता डॉ. सनवर पटेल, जिला अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, महापौर श्री मुकेश टेटवाल, पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र भारती, सभापति श्रीमती कलावती यादव सहित पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्माणाधीन पीडब्ल्यूडी भवन का किया निरीक्षण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में निर्माणाधीन पीडब्ल्यूडी भवन का निरीक्षण किया तथा इसको शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कोठी कम्पाउण्ड स्थित मनकामेश्वर मंदिर के सौन्दर्यीकरण कार्य का अवलोकन कर अद्यतन निर्माण प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा शीघ्रता से कार्य करने के निर्देश दिये।

संस्कारों की पाठशाला किंडर बड्स स्कूल, इंदौर द्वारा 2 दिनी कैलीग्राफी - रंग अक्षर कार्यशाला 14 को

धार, सुबह सवेरे संवाददाता - संस्था संस्कारों की पाठशाला - किंडर बड्स स्कूल, इंदौर 7 सफल कोर्स के पश्चात् अब एक नया कोर्स प्रस्तुत कर रहे हैं - कैलीग्राफी - रंग अक्षर। दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विद्यालय प्रांगण में 14 एवं 15 मई 2025 को किया जा रहा है, जिसमें नाम मात्र के रजिस्ट्रेशन शुल्क में विशेषज्ञ प्रतिष्ठा हासीजा प्रति दिन 3 घंटे गहन प्रशिक्षण अपनी स्वलिखित वर्कबुक के माध्यम से देंगी। प्रतिभागियों को केवल कैलीग्राफी पेन साथ लाना है। कोर्स अंत पर सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

देवर्षि नारद जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सत्य, भक्ति और संवाद के अग्रदूत देवर्षि नारद

नारद मुनि की छवि को एक चुगलखोर अर्थात् इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दिया गया है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना ही परिलक्षित होता रहा है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर एक सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते रहे हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं और पत्रकारिता के प्रथम पितृ पुरूष हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ वे ब्रह्माण्ड के प्रथम दिव्य पत्रकार के रूप में लोकमंडल के संवाददाता हैं। उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक अर्थात् पत्रकार माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे।

मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 13 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात् देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है।

धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्याओं में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया। इसके अलावा वे कई अत्याचारी महाराक्षसों द्वारा जनता के उत्पीड़न का वृत्तांत भगवान तक पहुंचाकर उनके विनाश का माध्यम भी बने। महर्षि वाल्मीकि को रामायण की रचना करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि समस्त युगों, कालों, विधाओं और वर्गों में सम्मान के पात्र रहे नारद जी को सभी लोकों के समाचारों की जानकारी रखने वाले कवि, मेधावी नीतिज्ञ तथा एक प्रभावशाली वक्ता के रूप में स्मरण किया जाता है।

जन-जन के हितकारी देवर्षि नारद किस प्रकार धरती पर विभिन्न प्राणियों को दुखी देखकर स्वयं भी दुखी हो जाया करते थे, इसका उल्लेख भी एक पौराणिक कथा में मिलता है। कथानुसार, एक बार देवर्षि नारद ने बैकुंठधाम जाकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि वे पृथ्वी पर लोगों को दुखी देखकर खुद बहुत दुखी हैं क्योंकि वहां धर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों का नहीं बल्कि गलत कार्य करने वालों का ही भला होता है। भगवान विष्णु ने कहा कि हे नारद! ऐसा नहीं है और जो कुछ भी हो रहा है, सब नियति के जरिये ही हो रहा है। उन्होंने पूछा कि आखिर ऐसा आपने क्या देख लिया, जिसके आधार पर आप यह कह रहे हैं? तब देवर्षि ने कहा कि उन्होंने जंगल में दलदली जमीन में फंसी एक गाय देखी। एक चोर वहां आया और गाय को दलदल में फंसी देखकर भी उसकी कोई मदद करने के बजाय वह उसी पर चढ़कर दलदल लांघकर निकल गया, जिसे आगे जाकर सोने की मोहरों से भरी एक थैली मिली। कुछ पलों बाद वहां एक वृद्ध साधु आए, जिन्होंने काफी प्रयासों के बाद गाय को दलदल से बाहर निकाल दिया लेकिन थोड़ा आगे जाने पर वही साधु एक गहरे गड्ढ़े में गिरकर घायल हो गए। आखिर यह कौनसा न्याय है? देवर्षि की बातें सुनने के पश्चात भगवान विष्णु ने कहा कि जो चोर गाय पर चढ़कर भाग गया था, उसकी किस्मत में तो एक बड़ा खजाना था लेकिन उसके इस पाप के कारण उसे केवल कुछ ही मोहरें मिली जबकि साधु को गड्ढ़े में इसलिए गिरना पड़ा क्योंकि उनके भाग्य में मृत्यु लिखी थी लेकिन गाय को बचाने के कारण उनके पुण्य बढ़ गए और उनकी मृत्यु एक छोटी सी चोट में बदल गई। भगवान विष्णु ने उन्हें समझाते हुए कहा कि किसी भी इंसान के कर्म से ही उसका भाग्य तय होता है। सद्गुणों के अथाह भंडार और समस्त शास्त्रों में प्रवीण देवर्षि नारद को शास्त्रों में मन का ऐसा भगवान कहा गया है, जो किसी भी होनी-अनहोनी को समय रहते पहचान लेते हैं। उन्हें वेदों और उपनिषदों का मर्मज्ञ, न्याय तथा धर्म का तत्वज्ञ, शास्त्रों का प्रकांड विद्वान, इतिहास व पुराण विशेषज्ञ, औषधि ज्ञाता, योगनिष्ठ, ज्योतिष एवं संगीत विशारद, भक्ति रस का प्रमुख तथा अतीत की बातों को जानने वाला माना गया है। वे एक ऐसे पौराणिक चरित्र हैं, जो तत्वज्ञान में परिपूर्ण हैं। पच्चीस हजार श्लोकों वाला प्रसिद्ध 'नारद पुराण' देवर्षि द्वारा ही रचा गया है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की भक्ति महिमा के साथ-साथ मोक्ष, धर्म, संगीत, ब्रह्मज्ञान, प्रायश्चित इत्यादि कई विषयों की मीमांसा प्रस्तुत की है। इसके अलावा संगीत का एक उत्कृष्ट ग्रंथ 'नारद संहिता' भी है।

भगवान बुद्ध के आदर्शों का अनुसरण करने वाला एकमात्र देश भारत

समता मूलक समाज, प्रेम, करुणा और सत्य की आधारशिला पर ही समाज की तरक्की संभव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान बुद्ध के जीवन से ज्ञान लेकर हम सारे भारतीय आगे बढ़ रहे हैं और विश्व बंधुत्व को अपनाते हुए प्रेम,करुणा, सत्य, समता के भाव को आगे बढ़ा रहे हैं। भगवान बुद्ध राज-पाट छोड़कर जब ज्ञान की खोज मे निकले थे और कठिन तप के बाद जो ज्ञान विश्व को दिया, उसका अनुसरण ही हम सबका उदेश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समता मूलक समाज से हम उन्नति, विकास और सबके कल्याण के मार्ग प्रशस्त कर सकते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के अशोक बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भारती बौद्ध महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को भगवान बुद्ध जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मप्र में सांची, बुद्ध धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। उनके लिए सांची आना सौभाग्य की बात है। बुद्ध सर्किट में सांची का प्रमुख स्थान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय खगोल विज्ञान के अनुसार निर्धारित की गई तिथि, पूर्णिमा अपने आप में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध और संत रविदास जी के साथ ही अन्य बड़े संत, महात्माओं का जन्म हुआ है। पूर्णिमा पर जब चंद्रमा की 16 कलाएं पूर्ण हो जाती हैं तो एक दिव्य प्रकाश निकलता है। ऐसे महापुरुषों ने पूर्णिमा के दिन जन्म लेकर अपने ज्ञान के प्रकाश से विश्व को रौशन किया है। विश्व में भारतीय ज्ञान परंपरा ही ऐसी परंपरा है, जो ऐतिहासिक काल से लेकर वर्तमान समय तक अक्षुण्ण है। सबसे बड़ी बात है कि समाज के लिए आज भी प्रासंगिक है। 5000 साल से भी अधिक पुराने हमारे ज्ञान को आज भी कोई चैलेंज नहीं कर पाया है। भारत विश्व गुरु है, विश्व गुरु रहेगा। इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा, विधायक श्री सतीश मालवीय, सभापति श्रीमति कलावती यादव, जनप्रतिनिधि श्री संजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

● **मुख्यमंत्री ने बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध को नमन कर अर्पित किये पुष्प**

मुख्य सचिव बोले-शहरी इलाकों में सायरन व्यवस्था करें दुरुस्त

कलेक्टर- एसपी को सजगता और सतर्कता बरतने के दिए निर्देश

भोपाल (नप्र)। भारत-पाकिस्तान के बीच बने तनाव की स्थिति में भले ही कमी आई हो, लेकिन नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) को लेकर शासन के निर्देशों पर अमल जारी रहेगा। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने प्रदेश के सभी कलेक्टर और एसपी से कहा है कि शहरी इलाकों में सायरन व्यवस्था को दुरुस्त करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि हर ग्राम पंचायत से दो स्वयंसेवकों और हर नगरीय निकाय के प्रत्येक वार्ड से 2 से 5 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स बनाए जाएं। नागरिक सुरक्षा के लिए स्वयंसेवकों के नामांकन और भर्ती की प्रक्रिया कराई जाए। इसके अलावा जिलों में अति संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान भी की जाए।

प्रशासन पूरी सजगता और सतर्कता बरते- देश की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मुख्य सचिव जैन ने रविवार को यह निर्देश दिए हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने जिलों में सिविल डिफेंस प्लान और शासन के निर्देशों का पालन कराएं। सिविल डिफेंस कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से लागू किया जाए और प्रशासन पूरी सजगता और सतर्कता बरते।

हर दिन होगी आपदा प्रबंधन की संभागीय समीक्षा- मुख्य सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में सायरन की व्यवस्था हो, ताकि आपात स्थिति में सभी को सायरन की आवाज सुनाई दे सके। आपदा प्रबंधन की तैयारियों की संभागीय समीक्षा हर दिन की जाएगी।

उन्होंने सिविल डिफेंस अधिनियम के तहत नागरिक सुरक्षा के लिए स्वयंसेवकों की नामांकन प्रक्रिया और उनके प्रारंभिक प्रशिक्षण के निर्देश भी दिए। जिससे आपदा की स्थिति में उनकी भूमिका प्रभावी रूप से सुनिश्चित की जा सके। साथ ही कहा कि इन वॉलंटियर्स की नियुक्ति में भूतपूर्व सैनिकों, वरिष्ठ एनसीसी सदस्यों, एनएसएस के सदस्य और निजी सुरक्षा एजेंसियों के कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाए।

सीएम बोले

नक्सलियों सरेंडर करो, नहीं तो मार दिए जाओगे

लाल सलाम वालों को जीने का हक नहीं, 64 पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन

बालाघाट (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नक्सलियों को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि सरेंडर हो जाओ, नहीं तो मार दिए जाओगे। उन्होंने कहा कि अन्याय करने वाले, अनावश्यक रूप से लोगों का खून बहाने वाले और लाल सलाम करने वालों को जीने का हक नहीं देंगे। आपको इस धरती पर जीने का हक नहीं देने वाले।

सीएम ने नक्सलियों को लेकर कहा कि हमारे भोले-भाले लोगों के बीच आप भ्रम फैलाते हो, झूठ बोलते हो। कायराना हरकत करते हो, ऐसे लोगों से निपटने में सरकार सक्षम है। पुलिस बल की मदद से समाज अब सामने खड़ा हो रहा है। जहां जरूरी होगा, वहां कार्यक्रम करेंगे। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश सरकार अभियान चला रही है। बता दें कि सीएम डॉ. मोहन यादव सोमवार को बालाघाट में क्रम-से-पूर्व पदोन्नति अलंकरण समारोह में शामिल हुए। सीएम और डीजीपी कैलाश मकवाना ने पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया।

64 पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया- बालाघाट के रानी अवंतीबाई स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस जवानों ने सीएम को सलामी दी। सीएम ने इस कार्यक्रम में करीब 169.19 करोड़ रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। सीएम ने 19 फरवरी को चार महिला नक्सलियों के एनकाउंटर वाली टीम में शामिल 64 पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया। सीएम और प्रदेश के डीजीपी कैलाश मकवाना ने पुलिसकर्मियों की वर्दी पर स्टार लगाया। इनमें हॉक फोर्स के 62, पुलिस बल का एक और 36वीं बटालियन का एक जवान शामिल है।

पुलिस ने बालाघाट को नक्सल प्रभावित जिलों से निकाला- सीएम ने कहा कि बालाघाट 12 सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित जिलों की श्रेणी में था। इसे इससे बाहर लाने का श्रेय पुलिस जवानों को जाता है। पुलिस जवानों के अदम्य साहस से सरकार गौरवान्वित होती है। समाज के लिए काम आने वाले जवानों के लिए सैल्यूट है।

हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया- सीएम डॉ. मोहन यादव ने आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी भारतीय सेना ने सीमा पर अदम्य शौर्य दिखाया। 3-4 दिन की कार्रवाई में पाकिस्तान को करारा जवाब दिया।

आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन भी किया- सीएम ने बालाघाट में 69.80 करोड़ की लागत से बनने वाले आयुर्वेदिक कॉलेज का भी भूमिपूजन किया। सीएम ने कहा कि भाजपा की सरकार में 11 नए आयुर्वेदिक कॉलेज खुले हैं। इसी साल 8 नए मेडिकल कॉलेज खुलने वाले हैं। पहले 12 आयुर्वेदिक कॉलेज थे। वर्तमान में 50 आयुर्वेदिक कॉलेज चल रहे हैं। इसके अलावा 11 कॉलेज और खोले जाने हैं। सीएम ने जिन 169. 80 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी उनमें 86.227 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण और 82.97 करोड़ के नए कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इन कार्यों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 34, लोक निर्माण विभाग के 23, ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की 10 सड़कें और अन्य विभागों के विकास कार्य शामिल हैं। सीएम के साथ शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, डीजी कैलाश मकवाना सहित सांसद, विधायक और पूर्व विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लांजी बावड़ी का निरीक्षण भी किया।

देश का पहला जीरो वेस्ट बनेगा इंदौर का चिड़ियाघर

चिड़ियाघर से निकलने वाले वेस्ट के लिए पीट बनाकर यहीं करेंगे निदान

इंदौर (नप्र)। इंदौर का चिड़ियाघर देश का पहला ऐसा चिड़ियाघर बनने जा रहा है। जहां से निकलने वाले कचरे का मैनेजमेंट चिड़ियाघर परिसर के अंदर ही किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा व अन्य अधिकारियों ने सोमवार को चिड़ियाघर का दौरा किया। आयुक्त ने अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

आयुक्त वर्मा ने बताया कि योजना के अनुसार चिड़ियाघर में उत्पन्न होने वाले विभिन्न प्रकार के कचरे जैसे कि खाद्य अपशिष्ट, बागवानी अपशिष्ट और सूखा कचरा के निपटारे के लिए परिसर में ही पीट बनाए जाएंगे। नाडेप पीट तकनीक का उपयोग भी करके ग्रीन वेस्ट से खाद बनाई जाएगी, जिसका उपयोग चिड़ियाघर के अंदर बागवानी में किया जाएगा।

वहीं, सूखे कचरे को 7 अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित कर पुनर्चक्रण के लिए भेजा जाएगा। इस पहल को गोदरेज प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत समर्थन दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, फीडबैक फाउंडेशन चिड़ियाघर में हैंड-होल्डिंग सपोर्ट प्रदान करेगा, जिसके तहत स्वच्छता कर्मियों को कचरा प्रसंस्करण और उपचार के लिए प्रशिक्षण और निगरानी प्रदान की जाएगी।

अन्य चिड़ियाघर के लिए उदाहरण प्रस्तुत करेगा

आयुक्त ने कहा कि यह इंदौर को स्वच्छता के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दिलाएगा और अन्य चिड़ियाघरों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत करेगा। उन्होंने अधिकारियों को इस कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। यह कदम न केवल चिड़ियाघर को स्वच्छ और टिकाऊ बनाएगा, बल्कि यहां आने वालों को वेस्ट प्रोसेसिंग की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर भी प्रदान करेगा, जिससे स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। जीरो वेस्ट चिड़ियाघर का आईएसओ सर्टिफिकेशन भी कराया जाएगा।

एमपी के 45 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

पिछले 24 घंटे में 37 जिलों में बारिश, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में गिरा पानी

भोपाल (नप्र)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और टर्फ का असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। इस वजह से प्रदेश में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है। मध्यप्रदेश में पिछले 24 घंटे में 37 जिलों में बारिश और आंधी वाला मौसम रहा।

प्रदेश के 45 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत कई जिलों में बारिश भी हो सकती है, जबकि जबलपुर, उज्जैन संभाग में आंधी चलने की संभावना है। आंधी की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है।

इन जिलों में बदला रहा मौसम- ग्वालियर, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, आगर-मालवा, देवास, इंदौर, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, राजगढ़, भोपाल, रायसेन, विदिशा, सीहोर, छिंदवाड़ा, सिवनी, अनूपपुर, डिंडौरी, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली और शहडोल शामिल हैं।

सीतामऊ में ढाई इंच से ज्यादा पानी बरसा- प्रदेश में सबसे ज्यादा बारिश मंदसौर के सीतामऊ में हुई। यहां ढाई इंच से ज्यादा पानी बरस गया। खरगोन में 1 इंच बारिश दर्ज की गई। कुल 53 शहर और कस्बों में पानी गिरा।

अशोकनगर में ओले गिरे

प्रदेश में रविवार को दोपहर बाद फिर मौसम बदला। इस दौरान भोपाल के कोलार इलाके समेत कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। मंदसौर, शहडोल, इंदौर, छतरपुर, सागर, खरगोन और अशोकनगर में तेज हवाओं के साथ पानी गिरा। अशोकनगर में ओले गिरे। आंधी के कारण खरगोन में कई स्थानों पर टीन शेड उड़ गए, जबकि कुछ जगह पेड़ उखड़े हैं। सीजन में ये अब तक की सबसे तेज आंधी थी।

दूसरी ओर, कई शहरों में तेज गर्मी का असर भी देखा गया। कई दिन के बाद अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। खजुराहो में तापमान सबसे ज्यादा 42 डिग्री रहा। वहीं, सतना में 40.8 डिग्री, रीवा में 40.4 डिग्री, दमोह में 40.2 डिग्री और सागर में 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.4 डिग्री, इंदौर में 35.9 डिग्री, ग्वालियर में 39.6 डिग्री, उज्जैन में 37.5 डिग्री और जबलपुर में 39.2 डिग्री सेल्सियस रहा। पचमढ़ी में सबसे कम 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सिग्नल पर बस का ब्रेक फेल, लेडी डॉक्टर को कुचला

बाणगंगा चौराहे पर 8 गाड़ियों को मारी टक्कर, 6 घायल, फिटनेस-इंश्योरेंस एक्सपायर थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बाणगंगा चौराहे पर स्कूल बस ने 8 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में इंटर्नशिप कर रही लेडी डॉक्टर की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हैं। दो की हालत गंभीर है। बताया गया है कि बस के ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ है। इसका वीडियो भी सामने आया है। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से भाग निकला।

बस की टक्कर से उछली डॉक्टर, 50 फीट तक घिसटी- वीडियो में दिख रहा है कि रेड सिग्नल के दौरान बाणगंगा चौराहे पर गाड़ियां आकर रुकीं। इसी दौरान एक स्कूल बस पीछे से तेज रफ्तार में आई और आगे खड़ी गाड़ियों को कुचलते हुए बढ़ गई।

बस के ठीक सामने खड़ी स्कूटी पर बैठी युवती उसकी टक्कर से उछली। वह स्कूटी समेत बस के अगले हिस्से में फंस गई। करीब 50 फीट तक घिसटने के बाद स्कूटी बस के अगले हिस्से से निकली तो युवती अगले पहिए के नीचे आ गई।

बस ड्राइवर चिल्ला रहा था- हटो, हटो

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सिग्नल पर 10-12 वाहन खड़े थे। इसी दौरान पीछे से स्कूल बस आई। उसका ड्राइवर हटो-हटो चिल्ला रहा था। कुछ ही सेकंड्स में बस लोगों को कुचलती हुई आगे बढ़ गई। बस रोशनपुर चौराहा से पॉलिटेक्निक कॉलेज की तरफ जा रही थी।

कार्ड बांटते वक्त मां को मिली मौत की खबर

हादसे में जान गंवाने वाली आयशा खान बीएएमएस डॉक्टर थीं। मुल्ला कॉलोनी निवासी आयशा जेपी हॉस्पिटल में इंटर्नशिप कर रही थीं। वहीं से घर लौटते वक्त हादसे का शिकार हो गईं। आयशा के पिता जाहिद खान जबलपुर में इंडियन बैंक में मैनेजर हैं। एक छोटा भाई है। अगले महीने 14 तारीख को आयशा की शादी होनी थी। मां कार्ड बांटने गई थी, इसी दौरान बेटी की मौत की सूचना मिली। हादसे में गंभीर रूप से घायल रईस और फिरोज मजदूरी करते हैं। वे एक ही बाइक पर थे। उन्हें पहले हमीदिया अस्पताल ले जाया गया था। फिर परिजन प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए।

कार की टक्कर से आगे बढ़ी दूसरी कार, बाइक से टकराई

बस ने जिस कार को टक्कर मारी, वो कार झटके से आगे खड़ी दूसरी कार को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ी। इससे दूसरी कार के सामने खड़े बाइक सवार को भी टक्कर लगी।

अप्रत्याशित परिस्थितियों में भी तबादले

प्रदेश की लालफीताशाही पर इन दिनों तबादलों की दुकान इतनी हावी हैं कि वह देश की अप्रत्याशित परिस्थितियों में भी तबादला की दुकान चलाना नहीं छोड़ते हैं। राज्य शासन ने 13 विभागों स्वास्थ्य, गृह, ऊर्जा, नगरीय प्रशासन, पंचायत, पीएचई, पीडब्ल्यूडी और परिवहन आदि के अधिकारी और कर्मचारियों की छुट्टी निरस्त करके उन्हें तुरंत काम पर लौटने का फरमान सुनाया है। उन्हीं में से एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य विभाग ने देश में अप्रत्याशित परिस्थितियों के दौरान तबादला लिस्ट जारी करके अपनी संवेदनहीनता दिखाई है। स्वास्थ्य विभाग अपर संचालक के हस्ताक्षर से 8 मई को जारी तबादला सूची में करीब तीन दर्जन कर्मचारियों के तबादले किये गए हैं। सूची में कई लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, रेडियोग्राफर, नेत्र सहायक और प्रयोगशाला सहायकों के तबादला किए गए। इस को लेकर विभाग में कयासों का दौर चल रहा है। जब देश में अप्रत्याशित परिस्थितियों हो तब भी उच्च अधिकारियों को तबादलों की दुकान चलाने से परहेज नहीं है। भले ही 2 साल बाद सामान्य तबादलों पर से रोक हटी है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए तबादला सूची कहां तक उचित है ? क्या विभाग के मंत्री से इस सूची का अनुमोदन कराया गया ? क्या विभाग के अफसर इतने संवेदनहीन हो गए हैं कि इन परिस्थितियों में भी तबादलों की दुकान सजाकर बैठे हैं।

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

डॉक्टर का भरोसा, प्राइवेट हॉस्पिटल

बुंदेलखंड के एक बड़े डॉक्टर साहब की राजधानी के प्राइवेट अस्पताल में उपचार कराने की खासी चर्चा है। डॉक्टर साहब के पैर में फैक्चर हुआ है और वह राजधानी के प्राइवेट अस्पताल में उपचार कर रहे हैं। उपचार कराते डाक्टर साहब का फोटो भी वायरल हो गया और डॉक्टर साहब की कुशलक्षेम जानने एक उप मुख्यमंत्री भी अस्पताल पहुंच गए। सूत्र बताते हैं कि डॉक्टर साहब का उपचार एकदम ठाकुर अंदाज में हो रहा है। बुंदेलखंड के बड़े सरकारी मेडिकल कॉलेज के डीन डाक्टर साहब को सरकारी व्यवस्था में भरोसा नहीं है और वह प्राइवेट अस्पताल के सिस्टम पर भरोसा करते हैं। ऐसी स्थिति में प्रदेश की जनता की क्या धारणा बनाएगी समझा जा सकता है। जबकि राज्य सरकार यह दावा कर रही है कि सरकारी अस्पतालों में उपचार की बेहतर व्यवस्थाएं हैं और जनता का सरकारी अस्पतालों में भरोसा बढ़ रहा है लेकिन डॉक्टर साहब जिन को जनता को यह समझाने का दायित्व है वह खुद प्राइवेट अस्पतालों की सेवा ले रहे हैं।

पुलिस और एसडीएम ने भी नहीं दी अनुमति

देश में असाधारण परिस्थितियों के बीच भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के एक नेता का राजधानी में पाकिस्तान के खिलाफ रैली निकालने का मंसूबा धरा की धरा रह गया। पुलिस और एसडीएम ने एक मामले के चलते नेता जी को अनुमति नहीं दी। मोर्चे के नेताओं ने रैली के लिए पुलिस से अनुमति मांगी तो पुलिस में साफ इनकार कर दिया। निराशा नेताजी क्या करते हैं एसडीएम के पास अनुमति लेने पहुंचे तो एसडीएम ने भी बैरंग लौटा दिया। एसडीम ने स्पष्ट कह दिया पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू होने के बाद रैली प्रदर्शन की अनुमति पुलिस देगी। चर्चा है कि मोर्चा के जो नेता अनुमति लेने गए थे इसका एक रिश्तेदार चर्चित लव जिहाद मामले में पुलिस के रडार पर है।

पुनर्वास के लिए दौड़

हाल ही में सेवानिवृत्त हुए एक अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी पुनर्वास के लिए दौड़ भाग मचाए हुए हैं। अपर मुख्य सचिव को पूरी उम्मीद है कि उनकी कोशिश रंग जरूर लाएगी। सूत्र बताते हैं कि सेवानिवृत्त अधिकारी ने पिछले दिनों अपनी विशेषज्ञता का हवाला देकर सत्ता शीर्ष के बड़े नेता से मुलाकात भी की और भरोसा दिलाया कि वह पुनर्वास के लिये एकदम फिट बैठते हैं। इसके लिए उन्होंने हाल ही में एक कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में भी जाने का मन बनाया लेकिन एन वक्त पर कार्यक्रम में जाने का विचार टाल दिया।

विधायक पर दोहरी जिम्मेदारी का बोझ

भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक इन दिनों दोहरे दायित्व से जूझ रहे हैं। संगठन की जिम्मेदारी और विधानसभा क्षेत्र के लोगों के कामकाज में व्यस्तता में तालमेल बैठाने में दिक्कतें आ रही है। पहली बार के विधायक क्षेत्र की जनता के बीच अधिक से अधिक समय दे रहे हैं और विधानसभा की जनता से मिलने उनके बीच पहुंचाते हैं। इधर संगठन ने उन्हें प्रदेश पदाधिकारी भी बनाया है लेकिन पदाधिकारी की जिम्मेदारी निभाने में वो पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे है। प्रदेश भर से कार्यकर्ता उनसे मिलने आते हैं तो उन्हें निराशा ही हाथ लगती है। अब विधायक खुद मानने लगे हैं कि संगठन पदाधिकारी की जिम्मेदारी और क्षेत्र की जनता के बीच कामकाज का बोझ अत्यधिक है। उन्हें जल्दी ही संगठन के पदाधिकारी पद से मुक्ति मिल जाए तो अच्छा होगा।